राष्ट्रीय हिंदी दैनिक   सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, रविवार, 20 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 24 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

खाना बनाते वक्त नाव में हुआ धमाका 143 की मौत, कई दर्जन हो गए लापता

मबंडाका/ भव्य खबर । दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में ईंधन ले जा रही एक बड़ी नाव में खाना बनाते वक्त धमाका हो गया। इसके बाद लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई। इससे नाव असंतुलित होकर पलट गई। जिसके कारण 143 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई दर्जन लापता हो गए। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम के पास हुई। इस जगह पर यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है। नाव तय सीमा से ज्यादा लोगों को लेकर यात्रा कर रही थी, तभी अचानक हुए विस्फोट से उस पर आग लग गई, जिससे अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया और नाव पलट गई। स्थानीय नागरिक समाज के नेता जोसेफ लोकोंडो ने कहा कि हमारी टीम ने शवों को दफनाने में मदद की है। मरने वालों लोगों की मौत जलने की वजह से हुई है तो कई लोग डूबने की वजह से मारे गए। फिलहाल स्थानीय लोग और प्रशासन मदद के लिए अपना काम कर रहा है। हम शवों की तलाश कर रहे हैं। जांच के लिए पहुंचे प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख जोसेफिन लोकुम के मुताबिक इस घटना के बाद लोगों की तलाश जारी थी। हमने बुधवार को 131 शवों को बरामद किया, जबकि गुरुवार और शुक्रवार को हमें 12 शव और मिले हैं। इन शवों में से कई की हालत बहुत खराब है और कई बुरी तरह से जले हुए हैं। लोकुमु ने बताया कि शुरूआती जांच में अभी यह सामने आया है कि एक महिला ने नाव पर ही भोजन पकाने के लिए आग जलाई थी। वहां से थोड़ी ही दूरी पर बहुत ही ज्वलनशील ईंधन रखा हुआ था। आग के संपर्क में आते ही ईंधन में तेज विस्फोट हो गया, जिससे तत्काल ही कई लोगों की मौत हो गई।

अनुराग कश्यप ने नाराज ब्राह्मण समुदाय से मांगी माफी, बोले- कोई भी भाषण बेटी, परिवार से बड़ा नहीं

मुंबई/ भव्य खबर । फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए उनके एक बयान ने ब्राह्मण समुदाय में नाराजगी पैदा कर दी, जिसके चलते उन पर शिकायत भी दर्ज की गई। अब अनुराग कश्यप ने एक सार्वजनिक पोस्ट के जरिए माफी मांगते हुए मामले को शांत करने की कोशिश की है। फिल्म फुले की रिलीज में आ रही बाधाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कश्यप ने सरकार, सेंसर बोर्ड और ब्राह्मण समुदाय पर तीखे सवाल उठाए थे। इसी दौरान उन्होंने एक विवादित टिप्पणी की, जो व्यापक स्तर पर आलोचना का कारण बनी। उनके एक जवाब, ब्राह्मण पे मैं मूतूंगा, कोई प्रॉलम? ने आग में घी का काम किया। बढ़ते विरोध और धमकियों के बीच, अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा, कोई भी कार्रवाई या भाषण आपकी बेटी, परिवार या दोस्तों के लायक नहीं है... जो कहा गया है उसे वापस नहीं लिया जा सकता, लेकिन अगर गाली देनी है तो सिर्फ मुझे दीजिए। उन्होंने इसके आगे यह भी कहा कि, ब्राह्मणों, कृपया महिलाओं को छोड़ दें। यहां तक कि शास्त्र भी शालीनता सिखाते हैं, सिर्फ. मनुस्मृति नहीं। खुद तय करें कि आप किस तरह के ब्राह्मण हैं। इसके साथ ही अनुराग ने साफ किया कि उनकी मंशा किसी समुदाय विशेष को चोट पहुँचाने की नहीं थी, और अगर किसी की भावना आहत हुई है तो वह दिल से माफी मांगते हैं। फिल्म फुले को लेकर सेंसर बोर्ड की सती और रिलीज में देरी से नाराज कश्यप ने पहले भी कई बार सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखी है। पर इस बार उनकी तीखी भाषा ने उन्हें कानूनी और सामाजिक दोनों मोर्चों पर मुश्किल में डाल दिया। हालांकि अनुराग कश्यप की माफी से मामला कुछ हद तक शांत होता दिख रहा है।

मुंबई में जैन मंदिर ध्वस्त करने वाले अधिकारी पर गिरी गाज, भारी विरोध के बाद एक्शन में सरकार

मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाए- जैन समुदाय

मुंबई/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने दो दिन पहले मुंबई के विले पार्ले इलाके में स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को ध्वस्त कर दिया. इस कार्रवाई से देश भर के जैन समुदाय में गुस्सा है. वहीं, इसको लेकर उठे विवाद के बीच शनिवार को जैन मंदिर को गिराने वाले नगर निगम अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है. मंदिर पर नगरपालिका द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ आज जैन समुदाय द्वारा अहिंसक रैली निकाली गई थी. इस रैली में बड़ी संख्या में जैन समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया. वहीं, अब नगर आयुक्त भूषण गगरानी ने मंदिर गिराने वाले सहायक नगर आयुक्त को निलंबित करने का आदेश दिया है. निलंबित अधिकारी का नाम नवनाथ घाडगे है. जैन समुदाय के सदस्यों ने इस मुद्दे को लेकर दिन में एक विरोध मार्च निकाला. रैली से पहले जैन बंधुओं ने ध्वस्त मंदिर में आरती की और इस आरती के बाद विरोध प्रदर्शन किया गया. इस रैली में बड़ी संख्या में जैन समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया. वे हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था, ह्यमंदिर ढहा दिया, कोई साहस नहीं. इस रैली में स्थानीय नेताओं और महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया. बीएमसी के-ईस्ट वार्ड की एक टीम ने 16 अप्रैल को नेमिनाथ कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के अंदर स्थित इस जैन मंदिर को ढहा दिया था. बीएमसी की टीम ने दावा किया था कि यह जैन मंदिर एक अनधिकृत ढांचा है. हालांकि, जैन समुदाय ने दावा किया है कि विले पार्ले इलाके के स्थित यह मंदिर करीब 90 साल पुराना था. जैन समुदाय ने इसके विरोध में वार्ड कार्यालय तक एक विरोध मार्च निकाला गया. इसमें महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रसाद लोढ़ा, स्थानीय बीजेपी विधायक पराग अलवानी सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया. वहीं, समुदाय ने मांग की है कि इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाए. इस विरोध के बाद आखिरकार इस जैन मंदिर को ध्वस्त करने वाले नगर निगम अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है.

राज ठाकरे ने उद्धव से गठबंधन के लिए बढ़ाया हाथ

राज ठाकरे ने कहा- मतभेद छोटी, महाराष्ट्र बड़ी बात, उद्धव बोले- मेरी तरफ से झगड़ा नहीं........

19 साल बाद फिर एकसाथ आ सकते हैं राज-उद्धव

मुंबई/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन पर बड़ा बयान देकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचा दी है. राज ठाकरे ने अभिनेता महेश मांजरेकर के पॉडकास्ट में गठबंधन के संकेत दिए. वहीं, उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के गठबंधन के प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. मुंबई में कामगार सेना के एक कार्यक्रम के दौरान, उद्धव ठाकरे ने कहा कि, वह राज ठाकरे के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि, क्या दोनों भाई हाथ मिलाएंगे और क्या पूरे महाराष्ट्र का सपना पूरा होगा. मुंबई में कामगार सेना के कार्यक्रम के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि, वे भी छोटे-मोटे विवादों को छोड़कर साथ आने के लिए तैयार हैं. वे सभी से महाराष्ट्र के हित में और सभी मराठी लोगों के हित में साथ आने की अपील भी कर रहे हैं. हालांकि, इसमें उनकी एक शर्त है, जब वे लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि महाराष्ट्र की परियोजनाओं को गुजरात ले जाया जा रहा है. ठाकरे ने कहा कि, अगर हमने उस समय इसका विरोध किया होता, तो आज यहां मराठी लोगों के हित में सरकार बनती. यह सरकार महाराष्ट्र में भी नहीं बनती. उन्होंने कहा, "मैं महाराष्ट्र के हित के खिलाफ बोलने वाले किसी भी व्यक्ति को मनोरंजन नहीं दूंगा और मैं उसे अपने घर नहीं बुलाऊंगा. मैं उसके साथ कतार में नहीं बैठूंगा. पहले यह तय करें और फिर महाराष्ट्र के हित में काम करें."

उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण के दौरान यह बात कही. महेश मांजरेकर ने इंटरव्यू में राज ठाकरे से सीधा सवाल पूछा, "क्या उद्धव ठाकरे और आप साथ आएंगे?" इस सवाल पर कोई टालमटोल किए बिना या इस सवाल पर बात करने से बचते हुए राज ठाकरे ने महेश मांजरेकर के सवाल का जवाब दिया. इस इंटरव्यू के दौरान राज ठाकरे का यह जवाब कि, महाराष्ट्र के मुद्दों और समस्याओं के सामने हमारे मतभेद और विवाद मामूली हैं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने जवाब दिया, महाराष्ट्र में मराठी लोगों के अस्तित्व के सामने ये सारी बातें महत्वहीन हैं.

मुर्शिदाबाद हिंसा पर मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की

मुर्शिदाबाद हिंसा पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर हमला बोला

नई दिल्ली/ सिलचर/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद हुई हिंसा के बाद अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है. असम के सिलचर में बराक सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल होने आए दिग्गज अभिनेता ने यह टिप्पणी की. मिथुन को महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था. मिथुन 2021 में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे. दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता अभिनेता ने असम के बराक घाटी क्षेत्र के प्रमुख शहर में पहुंचने पर मीडिया को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर हमला बोला. उन्होंने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को टीएमसी प्रमुख ममता से ज्यादा मजबूत नेता बताया. असम के सीएम की तारीफ करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, "डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा एक मजबूत मुख्यमंत्री हैं. उनकी रीढ़ मजबूत है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उनकी कोई तुलना नहीं है. मिथुन ने पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के मुद्दे पर हुई हिंसा से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने का भी आह्वान किया. हिंसा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ हिंसा हुई है. अगर वक्फ अधिनियम को लेकर इस तरह के विरोध प्रदर्शन जारी रहे तो केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे. पूर्व राज्यसभा सांसद ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए. बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के मामले में भाजपा नेता मिथुन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की. उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री ममता पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में बांग्लादेशी नागरिकों के प्रवेश के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं. लेकिन पुलिस बीएसएफ को दूसरी पंक्ति के रूप में मानती है. तो ममता के अधीन पुलिस क्या कर रही है? मिथुन ने 2014 में टीएमसी के साथ राज्यसभा सदस्य के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की, उन्होंने टीएमसी में शामिल होने के फैसले को अपनी सबसे बड़ी गलतियों में से एक बताया.

सुप्रीम कोर्ट और सीजेआईपर बोले निशिकांत दुबे

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा- बीजेपी का बयान से कोई लेना-देना नहीं

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । बीजेपी ने शनिवार को अपने सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के सुप्रीम कोर्ट और भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना पर की गई तीखी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया. पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसदों के निजी विचार बताकर खारिज कर दिया. जेपी नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका और देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से बीजेपी का कोई लेनादेना नहीं है. यह इनका व्यक्तिगत बयान है. बीजेपी ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है. बीजेपी इन बयान को सिरे से खारिज करती है. बीजेपी ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है, उनके आदेशों और सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक पार्टी के नाते हमारा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट सहित देश की सभी अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं तथा संविधान के संरक्षण का मजबूत आधारस्तंभ हैं. बीजेपी अध्यक्ष ने यह

भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है. लोकसभा में चौथी बार अपने संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे निशिकांत दुबे लोकसभा में पार्टी के सबसे मुखर सदस्यों में से एक हैं. निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए पहले कहा था कि अगर शीर्ष अदालत को कानून बनाना है तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए. उन्होंने सीजेआई पर भी कटाक्ष किया था. उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि कोई भी संसद या राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता.

मुर्शिदाबाद के दंगा पीड़ितों से मिलकर गवर्नर बोस ने जाना हाल

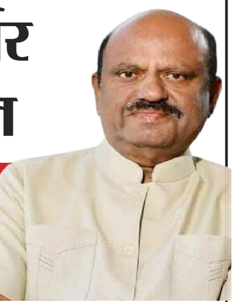

कोलकाता और दिल्ली को बताउंगा : सीवी आनंद बोस

मुर्शिदाबाद/ भव्य खबर/ एजेंसी। वक्फ बोर्ड के दौरान हुई हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना. शुक्रवार को मालदा जिले के पार लालपुर में एक राहत शिविर का दौरा करने के बाद राज्यपाल ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से मुलाकात की. गौर करें तो वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान 11 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी. दंगा पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद गवर्नर ने कहा कि पीड़ित "सुरक्षा की भावना" चाहते हैं. दंगा पीड़ितों से मिलने के बाद राज्यपाल बोस ने वह पीड़ितों की मांगों पर केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ चर्चा करेंगे. इसके साथ ही उनकी चिंताओं के समाधान के लिए सक्रिय कदम उठाएंगे. संवाददाताओं से बोस ने कहा कि ये यह कल की यात्रा का विस्तार है. उन्होंने कहा कि वो ज्यादा से ज्यादा पीड़ितों से मिलेंगे और उनका हाल जानेंगे. गौर करें तो राज्यपाल बोस ने शुक्रवार को मालदा जिले में स्थित पार लालपुर में एक राहत शिविर का दौरा किया और सक्रिय कार्रवाई का आश्वासन दिया. बोस ने मीडिआ को बताया, इस बीच, हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद क्षेत्र का दौरा राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर के नेतृत्व में आयोग की टीम ने किया. ये टीम अब केंद्र की मोदी सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. राहटकर ने कहा कि आयोग लोगों की मांगों को सरकार के समक्ष रखेगा. जाफराबाद में हिंसा की भेंट चढ़े पिता-पुत्र की जोड़ी के परिवार वालों से मुलाकात करने के बाद राहतकर ने कहा कि उनके पास परिवार के दर्द को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं. एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने कहा, कि वक्फ को लेकर फैली हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. कई परिवार विस्थापित हो गए हैं.

नेहरू ने हमें राजनीति नहीं, सच्चाई के साथ खड़ा होना सिखाया: राहुल गांधी

गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस से सीखी डर से दोस्ती

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पुलिस विभाग और सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किले और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत ही मौके पर पहुंच कर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कुछ भी नहीं मिला और ये धमकी फर्जी साबित हुई है। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने गुरुवार को इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। अधिकारी के मुताबिक, गुरुवार को सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर स्मारक परिसर में बम होने की खबर मिली थी। इसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। हालांकि, तलाशी लेने के बाद वहां पर कुछ भी नहीं निकला और धमकी फर्जी साबित हुई। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने कहा-हमने घटनास्थल पर दमकल का एक वाहन भेजा और वहां गहन तलाशी ली। हालांकि, घटनास्थल पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं, इस पूरी घटना पर दिल्ली पुलिस ने भी बयान जारी किया है। पुलिस ने बताया कि बम की धमकी की सूचना मिलने

के बाद बम निरोधक दल और सी आई एस एफ ने पूरे परिसर की गहन जांच की। हालांकि, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि यह एक फर्जी सूचना थी। दूसरी ओर गुरुवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। ये आग टर्मिनल तीन पर फूड कोर्ट के पास एक एस्केलेटर के रबर वाले हिस्से में लगी। इसे मामूली आग बताया जा रहा है जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

निशिकांत दुबे के बयान पर भड़का विपक्ष,सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाना दुखदः सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । सुप्रीम कोर्ट और देश के मुख्य न्यायाधीश को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे की ओर से की गई टिप्पणी के बाद देश में सियासी तूफान आ गया है. भारतीय जनता पार्टी ने निशिकांत के बयान से खुद को अलग कर लिया है तो विपक्षी दलों की ओर से इस बयान पर निशाना साधा जा रहा है. विपक्ष का कहना है कि शीर्ष अदालत पर उनका हमला स्वीकार्य नहीं है. कोर्ट को उनके खिलाफ एक्शन लेना चाहिए. कांग्रेस के नेता मणिकम टैगोर ने निशिकांत के बयान को अपमानजनक करार दिया और कहा कि शीर्ष अदालत पर उनका हमला स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने कहा, यह सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ एक अपमानजनक बयान है. निशिकांत दुबे एक ऐसे शख्स हैं जो लगातार सभी अन्य संस्थानों को ध्वस्त करते रहते हैं. अब, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर हमला किया है. टैगोर ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के जज इस पर ध्यान रखेंगे क्योंकि वह संसद में नहीं बल्कि संसद के बाहर बोल रहे थे. सुप्रीम कोर्ट पर उनका हमला स्वीकार्य नहीं है. पूर्व विदेश मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, अगर कोई सांसद सुप्रीम कोर्ट या किसी भी कोर्ट पर सवाल उठाता है तो यह बहुत दुख की बात है. हमारी न्याय व्यवस्था में अंतिम फैसला सरकार का नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का होता है. अगर कोई इसे नहीं समझता है तो यह बहुत दुख की बात है. पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी इस बयान पर निराशा जाहिर करते हुए कहा, वे सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं. संवैधानिक पदाधिकारी, मंत्री, बीजेपी सांसद सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोल रहे हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट एक बात कह रहा है कि जब कोई कानून बनता है, तो आपको संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ नहीं जाना चाहिए और अगर कानून संविधान के खिलाफ है, तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे. उन्होंने यह भी कहा,जान बूझकर सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि इलेक्टोरल बॉन्ड जैसे कई मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार ने जो किया है वह असंवैधानिक है. डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने भी निशिकांत के बयान की आलोचना की. उन्होंने कहा, उन्हें कुछ नहीं जानते. सुप्रीम कोर्ट देश के कानूनों की रक्षा के लिए होता है. सरकार बर्बर है क्योंकि वे किसी भी कानून का सम्मान नहीं करती. सांसद और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, आप लोग (बीजेपी) ट्यूबलाइट हैं. इस तरह से कोर्ट को धमका रहे हैं. क्या आपको पता है कि (अनुच्छेद) 142 (संविधान का) क्या है?, इसे आंबेडकर ने बनाया था. बीजेपी धोखाधड़ी कर रही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है. झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा, देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब संसद का एक सदस्य कोर्ट को चुनौती दे रहा है. क्या ये लोग जजों से ज्यादा विद्वान हो गए हैं? बहुमत के अंधेरे में ये क्या कुछ कर लेंगे और कोर्ट चुप रहेगा?

भीषण गर्मी में नहीं थम रहे आग लगने के मामले

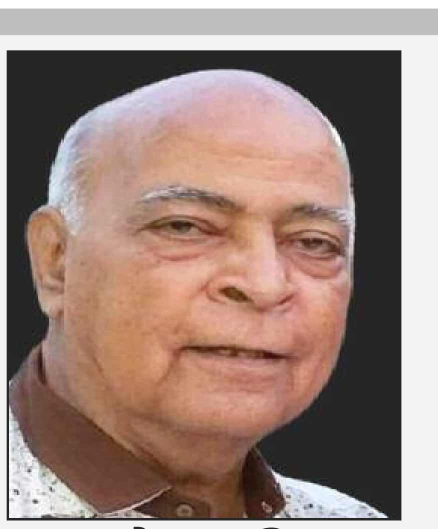

अशोक भाटिया

झुलसती गर्मी में यह आग लगना कोई नै बात नहीं थी । देश में प्रचंड गर्मी के बीच हर दूसरे दिन कहीं ना कही से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आग लगने की यह समस्या इतनी विकराल है, इसका अंदाज इन घटनाओं को अलग-अलग देखने से पता नहीं चलता है।

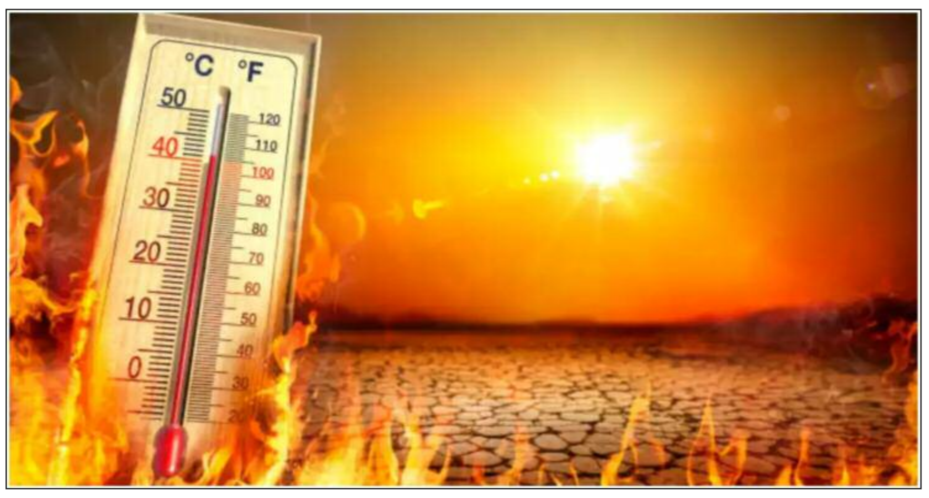

प्रयागराज में आज भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। गोदाम में रखे लाखों की बल्लियां, टेंट और फर्नीचर जल गए। आग बुझाने में मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत छह लोग आंशिक रूप से झुलस गए। भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आग की ऊँची ऊँची लपटे और काले धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा , इसमें भरी नुक्सान भी हुआ , टेंट , फर्नीचर , सब आग के चपेट में आने से तहस-नहस हो गया । वैसे आज की झुलसती गर्मी में यह आग लगना कोई नै बात नहीं थी । देश में प्रचंड गर्मी के बीच हर दूसरे दिन कहीं ना कही से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आग लगने की यह समस्या इतनी विकराल है, इसका अंदाज इन घटनाओं को अलग-अलग देखने से पता नहीं चलता है। इसलिए हमनें सात राज्यों का ब्योरा एक जगह जमा किया है। ब्यौरा चौंकाने और डराने वाला है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब और देश की राजधानी दिल्ली में पिछले छह महीने में 38 हजार आग लगने की घटनाएं हुई हैं, आग की इन घटनाओं से बड़े पैमाने पर जान और माल का नुकसान हुआ है। जाहिर है हमारे सिस्टम में कहीं न कहीं कमी है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित बिंदु उत्पन्न होते हैं।पहला इमारतों के चारों ओर खुली जगह और क्षेत्र की संरचनाः आवासीय भवन और वाणिज्यिक दुकानों का हिस्सा पूरी तरह से अलग होना चाहिए। झुग्गियों में एक मंजिला या दो मंजिला झोपड़ियों में भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें स्थापित की गई हैं और अधिकांश परिवार इस पर उप-मंजिल पर रहते हैं। जो लोग सामने की तरफ दुकानों और विभाजन के साथ पीछे रहते हैं, उनके पास दुकान के मुख्य द्वार के बिना बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। क्या नगर निगम प्रभारी का लाइसेंस विभाग सख्ती से जांच करने की भूमिका निभा रहा है? कई मामलों में, भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें, पहली और दूसरी मंजिल पर वाहनों की पार्किंग और कार्यालयों/दुकानों को नगर निगम और फायर ब्रिगेड द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। आवासीय भवन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और प्रबंधन की अनुमति देते समय, प्रत्येक भवन में विपरीत दिशा में दो अलग-अलग सीढ़ियां होना बहुत महत्वपूर्ण है। सुरक्षित स्थान पर जाना संभव होगा। साथ ही सामाजिक जागरूकता रखते हुए अनावश्यक रूप से भवन के खुले स्थान पर वाहन पार्क न करें तथा आसपास के क्षेत्र (6 मीटर) को पूर्णतः खुला रखा जाए ताकि अग्नि गाडियां दुर्घटना स्थल पर आसानी से एवं बिना किसी बाधा के पहुंचकर तुरंत आग एवं बचाव कार्य प्रारंभ कर सकें, जिससे जनहानि से बचा जा सके एवं क्षति को कम करने में सहायता मिले। यह तभी संभव है जब भवन के निवासी इस सामाजिक प्रतिबद्धता का सख्ती से पालन करें। दूसरा भवन के इंटीरियर में बालकनी, गलियारे, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियांः ये खुले स्थान ज्यादातर सभी आवासीय और वाणिज्यिक भवनों में देखे जाते हैं कि प्रत्येक मंजिल पर आम गलियारा, मार्ग और लिफ्ट लॉबी यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि उस मंजिल के निवासियों को अपने घर की अतिरिक्त या बेकार वस्तुओं को स्टोर करने का अधिकार है।अगर किसी घर में आग लगती है, अगर आग घर के बाहर फैल जाती है तो गलियारा, पैसेज में रखा लकड़ी का सामान, चप्पल स्टैंड, असुविधाजनक फर्नीचर आदि रास्ते से आग फैलाने में मदद करते हैं।धातु के तारों या रस्सियों को मार्ग से बांधा जाता है और क्षेत्र का उपयोग कपड़े सुखाने के लिए किया जाता है। इन कपड़ों में छत या दीवार से गुजरने वाले बिजली के तार या केबल होते हैं जो मुख्य रूप से आग के प्रसार में योगदान देते हैं। हालांकि, मैं सभी निवासियों से अपील करना चाहूंगा कि वे अतिरिक्त घरेलू सामानों को गलियारों, मार्गों, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियों में रखकर बाधा न डालें। तो, क्या बहुमंजिला इमारतों के अंदर अग्नि सुरक्षा उपकरण ठीक से काम कर रहे हैं? क्या भवन के विद्युत नलिकाएं/शाफ्ट प्रत्येक मंजिल पर सील हैं या नहीं? फायर पंप काम कर रहे हैं या नहीं? इस बात में पूरी तरह से उदासीनता है कि प्रत्येक मंजिल पर हाइड्रेंट पॉइंट, होजेरिल, फायर अलार्म चालू हैं या नहीं। इसके पीछे के जोखिमों को गंभीरता से क्यों नहीं लेते हैं जब हम सोचते हैं कि इमारत की प्रत्येक मंजिल पर बिजली की नलिका घरेलू सामानों को स्टोर करने के लिए हर किसी की सही जगह है? गलियारे से प्रत्येक मंजिल पर सीढ़ी तक स्थापित आग प्रतिरोधी लकड़ी के दरवाजे अक्सर हटाए जाते हैं या उनकी स्वचालित समापन प्रणाली अव्यवस्था की स्थिति में होती है। चौथा है छतों और शरण क्षेत्रोंः आजकल हाउसिंग सोसाइटियों के लिए खुली छतों और शरण क्षेत्रों का उपयोग सामुदायिक हॉल या हाउसिंग सोसाइटी के मनोरंजन केंद्रों के रूप में करने के लिए प्रथागत हो गया है। इमारत में आग जैसी दुर्घटनाओं के मामले में, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि छत और शरण क्षेत्र बिना किसी बाधा के पहुंचने के लिए खुला और सुरक्षित हो; लेकिन भवन के पदाधिकारी और कार्यकारी बोर्ड ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि उस स्थान पर कब्जा करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है और उनके दिलों को जरा भी इस भावना से नहीं छूते हैं कि उनका मूर्खतापूर्ण व्यवहार हर निवासी के जीवन को खतरे में डाल रहा है। अतः प्रत्येक नागरिक का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह घर में पोर्टेबल अग्निशामक, स्मोक डिटेक्टर, स्प्रिंकलर स्थापित करने में सावधानी बरतें, जिस प्रकार अपनी प्रतिष्ठा प्रदर्शित करने के लिए आंतरिक सजावट और फर्नीचर पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। आग लगने की 90% घटनाएं इस शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं। इमारत में हर घर में आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते समय बिजली का भार कितना होता है? जो लोग खुद को शिक्षित और संभ्रांत मानते हैं, उन्हें दस साल में रिवायरिंग जैसी सरल चीजों के बारे में भी पता होना चाहिए।

शहरी विकास विभाग और लोक निर्माण विभाग के समन्वय से हर 6 महीने में फ्यूचर ऑडिट और हर एक साल में इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। पेड़ गिरने, बाढ़ की स्थिति, लैंड स्खलन, हाउस कॉलप, लिफ्ट, मैनहोल के अलावापटाखों से होने वाले हादसों के लिए सरकारी मशीनरी कम पड़ जाती है। फायर ब्रिगेड अत्याधुनिक होती जा रही है, लेकिन उनके पास 90 मीटर ऊंचा लैंडर, 55 मीटर वॉटर टॉवर, रिमोट कंट्रोल रोबोट उपलब्ध है, जिसे संभालने के दौरान उन्हें कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

टोल बिल्डिंग, कोस्टल रोड, फाइव, स्काई वॉक, मेट्रो आदि में रुचि रखने वाली प्रशासनिक एजेंसियों के लिए फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने वाली पुलिस के लिए अलग मार्ग उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है ।एल.पी.जी. गैस / गैसलाइन के साथ-साथ स्थायी अग्निशामक यंत्रों का सरकार द्वारा अनुमोदित लाइसेंसिंग एजेंसी द्वारा अक्सर निरीक्षण किया जाना चाहिए और उचित समय पर मरम्मत और निरीक्षण किया जाना चाहिए। आज के युग में स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी और निजी प्रबंधन में अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रबंधन प्रशिक्षण को कानून द्वारा सभी के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुर्घटना के समय निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रशासनिक एजेंसियों और चुनी हुई सरकार की एक-दूसरे पर कीचड़ उछालकर अपनी जिम्मेदारी से भागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा ताकि यह स्वार्थ, समाज और देश की प्रगति में योगदान दे।

संपादकीय

पक्षपाती रवैया खत्म हो

अमृता आर. पंडित

वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दरम्यान सरकार ने आश्वासन दिया कि सेंटर वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्ड में किसी गैर-मुस्लिम की नियुक्ति नहीं की जाएगी। मौजूदा वक्फ संपत्तियों पर किसी तरह की कार्रवाई न करने तथा वक्फ संशोधन कानून, 2025 के कुछ प्रावधानों पर फिलहाल अमल न करने की बात भी की। अदालत ने सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का वक्त दिया है। अगले आदेश तक वक्फ, जिसमें वक्फ बाय यूजर भी शामिल है, में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। न ही संबंधित कलेक्टर इनमें कोई बदलाव करेगा। 1995 के अधिनियम के तहत जिन वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है, उनको अगली सुनवाई तक गैरअनूसूचित न करने का स्पष्ट निर्देश भी दिया गया है। अदालत में वक्फ कानून की वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि जैन, सिख व अन्य अल्पसंख्यकों के धर्म पर ऐसे कानून लागू नहीं होते। जैसा कि नये कानून के अनुसार वही शख्स अपनी संपत्ति दान कर सकता है, जो कम से कम पांच साल से मुसलमान हो यानी इस्लाम अपना चुका हो। दान की जाने वाली संपत्ति का मालिकाना हक भी रखता हो। शीर्ष अदालत ने सरकार से तल्ख सवाल किया कि क्या वह हिन्दुओं के धार्मिक ट्रस्टों में मुसलमान या गैर- हिन्दुओं को शामिल करने जा रही है? इस कानून के पारित होने के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की। हरियाणा, महाराष्ट्र, मप्र, असम, छत्तीसगढ़ व राजस्थान जैसे भाजपा शासित राज्यों में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अनुसार वक्फ के पास देश भर में 8.7 लाख संपत्तियां हैं जिनकी अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। कोई भी चल/अचल संपत्ति वक्फ होती है, जिसे अल्लाह के नाम पर मुसलमान धार्मिक या परोपकार के मकसद से दान करता है। अल्लाह ही हमेशा उसका मालिक होता है। इस तरह का चलन मंदिरों से लेकर अन्य धर्मों में भी है। मंदिरों के पास बगैर कागजात वाली संपत्ति कम नहीं हैं। इसलिए सरकार को कानून बनाते हुए सभी धार्मिक स्थलों के अधिकार क्षेत्र वाली चल/अचल संपत्ति पर यह कानून लागू करना चाहिए था। पूर्वाग्रहों से भरे पक्षपात करने वाली मोदी सरकार को इससे बचना चाहिए था। वक्फ की आड़ में संप्रदाय विशेष को लेकर टिप्पणियां या नया कानून बनाने की जल्दबाजी देश की अखंडता पर प्रहार कर सकती है।

चिंतन-मनन

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते। अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है।

"नैतिक पुनर्जागरण"

सौरभलोदी

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले (2018) में नीरव मोदी और मेहुल चोकसी ने फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए 13,850 करोड़ की धोखाधड़ी की। विजय माल्या ने किंगफिशर एयरलाइंस के लिए ₹9,000 करोड़ का कर्ज लेकर 2016 में देश छोड़ दिया। ये घटनाएँ व्यक्तिगत लाभ के लिए नैतिकता को ताक पर रखने और बैंकों के प्रति जनता के विश्वास को कम करने का उदाहरण हैं। मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों विस्थापित हुए। यह करुणा और सामाजिक एकता की कमी को दर्शाता है। ऐसी घटनाएँ सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं और डर का माहौल पैदा करती हैं। 2020 के दिल्ली दंगों में सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री ने हिंसा को बढ़ावा दिया, जिसमें 50 से अधिक लोग मारे गए। 2025 में भी धार्मिक और जातीय आधार पर नफरत फैलाने वाली पोस्ट आम हैं। यह सामाजिक विश्वास और सम्मान को कमजोर करता है, क्योंकि लोग गुमनामी का फायदा उठाकर अनैतिक व्यवहार करते हैं। 2024 के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा पेपर लीक ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया और शिक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। कॉरपोरेट और शैक्षिक संस्थानों में भ्रष्टाचार और अनुचित व्यवहार विश्वास को कमजोर करते हैं। यह युवाओं में अनैतिक साधनों से सफलता की धारणा को बढ़ाता है। कोविड-19 महामारी (2020-2021) के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाओं, और अस्पताल बेड की कालाबाजारी आम थी। दिल्ली में लोग 50,000 तक के लिए एम्बुलेंस देने को मजबूर हुए। यह संकट में मानवता और करुणा की कमी को दर्शाता है, जहाँ लाभ को प्राथमिकता दी गई। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनावों में हिंसा और मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप सामने आए। 2023 के कोलकाता राशन घोटाले में गरीबों का राशन कालाबाजारी में बेचा गया। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 2024 के सूचकांक में भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर था, जो प्रशासनिक भ्रष्टाचार को दर्शाता है। भौतिकवाद, उपभोक्तावाद, और सोशल मीडिया पर दिखावटी जीवनशैली ने सादगी और संतुष्टि को कमजोर किया। वैश्वीकरण ने व्यक्तिवाद को बढ़ावा दिया, जिससे संयुक्त परिवार और बुजुर्गों के प्रति सम्मान कम हुआ। भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी ने संस्थानों में विश्वास को तोड़ा। नैतिक पतन से सामाजिक एकता कमजोर हुई। 2023 में 3 करोड़ से अधिक लंबित मामले न्याय में देरी को दर्शाते हैं। धार्मिक और जातीय तनाव, जैसे मणिपुर और नूंह हिंसा, सामाजिक दरार को बढ़ाते हैं। युवा अनैतिक साधनों को सफलता का रास्ता मानने लगे हैं। स्कूलों में मूल्य शिक्षा, जैसे गांधीजी की अहिंसा, को अनिवार्य करें। केस स्टडी और नैतिक दुविधाओं पर चर्चा से युवाओं में नैतिक चेतना विकसित होगी। शिक्षकों को नैतिकता पर प्रशिक्षण दें।

माता-पिता बच्चों को करुणा और जिम्मेदारी सिखाएँ। सामुदायिक सेवा, जैसे जरूरतमंदों की मदद, को प्रोत्साहित करें। पालन-पोषण कार्यशालाएँ और स्कूलों में अभिभावक सहयोग बढ़ाएँ। सूचना का अधिकार को प्रभावी बनाएँ और भ्रष्टाचार के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करें। डिजिटल निगरानी और whistleblower संरक्षण से पारदर्शिता बढ़ेगी, जिससे संस्थानों में विश्वास बहाल होगा। फैक्ट-चेकिंग टूल और नैतिक सामग्री को बढ़ावा दें। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता अभियान शुरू करें। सनसनीखेज सामग्री पर सख्त नीतियाँ लागू करें। वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान जैसे सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करें। सांस्कृतिक आयोजनों को समावेशी बनाएँ। स्थानीय एनजीओ और पंचायतों को शामिल करें। सीएसआर और आचार संहिता लागू करें। कर्मचारियों को नैतिक प्रशिक्षण दें और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त दंड नीतियाँ बनाएँ। छोटे उद्यमों में भी नैतिकता को प्रोत्साहित करें। गांधी और विवेकानंद की कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल करें। नैतिकता पर निबंध और डिबेट प्रतियोगिताएँ आयोजित करें। सोशल मीडिया पर एथिकलइंडिया जैसे अभियान चलाएँ। नैतिक भारत अभियान शुरू करें, जैसे स्वच्छ भारत। भ्रष्टाचार विरोधी अभियान और एनजीओ के साथ सहयोग बढ़ाएँ। राष्ट्रीय स्तर पर नैतिकता टास्क फोर्स गठित करें। आधुनिक भारत में भ्रष्टाचार, हिंसा, और दुष्प्रचार नैतिक पतन को दर्शाते हैं। शिक्षा, परिवार, और संस्थागत सुधारों से नैतिकता को पुनर्जनन किया जा सकता है। सरकार और समाज के सहयोग से सत्य, ईमानदारी, और करुणा जैसे मूल्य मजबूत होंगे, जिससे एक नैतिक समाज की नींव रखी जाएगी।

आस्था से राजनीति तक एक शाश्वत यात्रा

राजेश श्रीवास्तव

भारतीय राजनीति में "सनातनी" शब्द का उदय धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवर्तनों की एक जटिल कहानी है। यह शब्द, जो "सनातन धर्म" से लिया गया है, 19वीं सदी के अंत में धार्मिक पहचान के रूप में उभरा। 20वीं सदी में हिंदू राष्ट्रवाद के साथ इसका राजनीतिक महत्व बढ़ा। 21वीं सदी में, विशेष रूप से 2014 और 2023 के एक विवाद के बाद, यह दक्षिणपंथी राजनीतिज्ञों का शक्तिशाली हथियार बन गया। 19वीं सदी में, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, हिंदू समाज में सुधारवादी और रूढ़िवादी धाराओं का टकराव शुरू हुआ। ब्रह्म समाज (1828) और आर्य समाज (1875) ने सती प्रथा, बाल विवाह, मूर्तिपूजा और जाति व्यवस्था जैसी कुरीतियों की आलोचना की। इन विचारों के उत्तर में, रूढ़िवादी हिंदुओं ने अपनी परंपराओं की रक्षा के लिए "सनातनी" पहचान को अपनाया। बनारस, प्रयागराज और अन्य धार्मिक केंद्रों में सनातनी पंडितों और धमाचार्यों ने इसे लोकप्रिय बनाना शुरू किया। यह शब्द उस समय धार्मिक-सामाजिक पहचान तक सीमित था, परंतु समय के साथ यह सांस्कृतिक प्रतिरोध का प्रतीक बन गया। 20वीं सदी की शुरूआत में, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, सनातनी विचारधारा धीरे-धीरे राजनीतिक मंच पर उभरने लगी। लोकमान्य तिलक ने 1893 में सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा शुरू की, जिससे धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक चेतना के केंद्र में लाया गया। 1915 में हिंदू महासभा और 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के साथ सनातनी मूल्यों को संगठित राजनीतिक ढांचे में स्थान मिला। आरएसएस ने "हिंदुत्व" की अवधारणा को बढ़ावा दिया, जिसमें सनातनी परंपराएं और मूल्य केंद्रीय भूमिका निभाने लगे। 1920 और 30 के दशक में सनातनी शब्द का उपयोग हिंदू एकता और सांस्कृतिक गौरव के संदर्भ में अधिक स्पष्ट रूप से होने लगा। आरएसएस की शाखाओं में प्राचीन ग्रंथों, श्लोकों और धर्मशास्त्रों का अध्ययन कराते हुए इसे सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। महात्मा गांधी के रामराज्य की कल्पना और नेहरू के धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना के बीच सनातनवाद एक वैकल्पिक सामाजिक दर्शन के रूप में उभरा, जो भारतीयता की जड़ों से जुड़ा हुआ था। 1947 में,स्वतंत्रता के बाद,भारत ने धर्मनिरपेक्ष संविधान को अंगीकार किया। पंडित नेहरू की धर्मनिरपेक्ष नीतियों के कारण आरएसएस और हिंदू राष्ट्रवाद जैसे विचार हाशिए पर चले गए। परंतु जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी ने इन मूल्यों को अपनी वैचारिक धारा में बनाए रखा। राम जन्मभूमि आंदोलन (1980–1992), सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से जुड़े प्रतीकवाद, और बाबरी मस्जिद के विध्वंस जैसी घटनाओं ने सनातनी प्रतीकों को पुनः केंद्र में ला दिया। यह समय ऐसा था जब धर्म, संस्कृति और राजनीति के बीच की रेखाएं धुंधली होने लगीं। 21वीं सदी, विशेषकर 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद, "सनातनी" शब्द ने नया राजनीतिक जीवन पाया। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मथुरा-वृंदावन के विकास कार्यों, गौ-रक्षा कानूनों, और धार्मिक पर्यटन के बढ़ावे ने इस शब्द को एक जीवंत सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ दिया। बीजेपी और आरएसएस ने इसे केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक बना दिया। 2023 में, डीएमकेनेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को "रोग" कहे जाने पर एक देशव्यापी विवाद खड़ा हुआ। यह वक्त था जब "सनातनी" शब्द ने एक राजनीतिक कवच का रूप धारण किया। बीजेपी और आरएसएस ने इस बयान को हिंदू धर्म पर हमला बताया और इसे सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए आह्वान में बदल दिया। इसने "सनातनी" शब्द को न केवल राजनीतिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी जनमानस से जोड़ दिया। सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने अपनी प्रोफाइल में "सनातनी" शब्द जोड़ा, और यह शब्द युवाओं में एक नई पहचान का माध्यम बन गया। राजनीतिक रणनीति के रूप में, "सनातनी" शब्द कई स्तरों पर प्रभावी सिद्ध हुआ है। यह विभिन्न जातियों और सामाजिक वर्गों को एक व्यापक

धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान में समेटने का माध्यम बन गया। "हिंदुत्व" शब्द की तुलना में "सनातनी" अधिक समावेशी और शाश्वत प्रतीत होता है, जिससे बौद्ध, जैन, सिख समुदायों को भी भावनात्मक रूप से जोड़ा जा सकता है। यही कारण है कि बीजेपी और आरएसएस ने इस शब्द को वैश्विक मंचों पर भी हिंदू धर्म की सकारात्मक छवि गढ़ने के लिए इस्तेमाल किया है। कुछ विचारकों का मानना है कि "सनातनी" शब्द का प्रयोग "हिंदुत्व" की अपेक्षाकृत कट्टर या राजनीतिक ध्वनि से बचाने की रणनीति भी है। यह शब्द शाश्वतता, शांति, सहिष्णुता और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक बनकर, राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एक 'सॉफ्ट पॉवर' टूल में बदल गया है। इसका प्रयोग भारतीय पहचान, गौरव और आस्था के प्रतीक के रूप में किया जा रहा है – एक ऐसा भावनात्मक मंच, जो राजनीतिक लामबंदी का शक्तिशाली माध्यम बन चुका है। "सनातनी" शब्द की यह यात्रा केवल भाषायी या वैचारिक नहीं, बल्कि भारत के आत्मबोध की यात्रा है – जहाँ धर्म, संस्कृति, राजनीति और समाज की परतें आपस में गुंथी हुई हैं। यह शब्द जितना पुरातन है, उतना ही प्रासंगिक भी हो गया है। आज जब भारत वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, तब "सनातनी" शब्द को केवल आस्था की सीमाओं में नहीं, बल्कि समावेशिता, नैतिकता और साझा विरासत के वाहक के रूप में पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता है। यदि यह शब्द राजनीति का उपकरण बनने की बजाय सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन सके, तो यह न केवल भारत की आत्मा को जीवित रखेगा, बल्कि विश्व को भी एक ऐसी सभ्यता की झलक देगा जहाँ सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और शाश्वत मूल्यों की परंपरा सजीव है। यही "सनातन" की वास्तविक विजय होगी।

संक्षिप्त डायरी

दिल्ली के महापौर ने मुस्तफाबाद हादसे के बचाव अभियान का किया निरीक्षण

नई दिल्ली / भव्य खबर । दिल्ली के महापौर महेश कुमार खिची ने शनिवार को दिल्ली के मुस्तफाबाद का दौरा किया और इलाके में हुए हादसे के बचाव अभियान का निरीक्षण करने के लिए दयालपुर पहुंचे। महापौर ने बाद में यह जानकारी साझा करते हुए सोशल मीडिया ए स पर लिखा कि मुस्तफाबाद में बिल्डिंग गिरने की घटना अत्यंत हृदयविदारक है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं उन लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, जिनकी इस हादसे में मौत हो गई। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम के निगमायुक्त अश्वनी कुमार को घटना की जांच कराने के आदेश दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के लिए, उन्हें निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। खिची ने कहा कि मुस्तफाबाद हादसे के सभी आओपा के कार्यकर्ता राहत और बचाव के कार्यों में पूर्ण सहयोग देते हुए प्रशासन की हरसंभव सहायता करें। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में बीती रात एक इमारत गिर गई, जिसके मलबे में 24 से ज्यादा लोग दब गए। मलबे में दबने से चार लोगों की मौत हो गई। इससे पहले पिछले ह ते दिल्ली के मधु विहार में एक निमार्णाधीन इमारत की दीवार गिर गई थी। यह घटना मधु विहार पुलिस स्टेशन के पास हुई थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की जान गई थी और दो लोग घायल हो गए।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी बनकर जांच के बहाने ट्रक लूटा

नई दिल्ली / भव्य खबर । स्वरूप नगर इलाके में बदमाशों ने शुक्रवार देर रात जांच करने के बहाने जनरेटर से लोड ट्रक लूट लिया। बदमाशों ने ट्रक चालक का मोबाइल और पर्स भी ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित चितरंजन कुमार ने बताया कि वि ट्रांसपोर्ट कंपनी में ट्रक चलाता है। वह गुजरात के भरूच से ट्रक में करीब 15 लाख रुपये की कीमत का जनरेटर लोडकर दिल्ली के लिए रवाना हुआ। नगली पूना में दो युवकों ने जांच के बहाने रुकने का इशारा किया। ट्रक रुकने पर दोनों युवक केबिन में घुस गए और पिस्टल दिखाकर फोन और पर्स लूट लिया। इसके बाद आरोपी उसे केबिन से नीचे फेंककर ट्रक लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने किसी तरह से पुलिस से सपर्क कर घटना की सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बदमाश ट्रक लेकर सोनीपत की तरफ भागे हैं। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग लड़के से कुकर्म के दोषी को ताउम्र रहना होगा जेल की सलाखों के पीछे

नई दिल्ली / भव्य खबर । 12 साल के एक लड़के से कुकर्म के दोषी व्यक्ति को अदालत ने ताउम्र (अपनी अंतिम सांस) तक जेल की सलाखों के पीछे रहने की सजा सुनाई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस अपराध ने मानवीय गरिमा के मूल्यों का उल्लंघन किया है। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बबीता पुनिया की अदालत ने अपने फैसले में कहा कि समाज में पनप रहे इस तरह के अपराध को जड़ से समाप्त करने के लिए अपराधी को समाज से हमेशा के लिए निकाल देना चाहिए, तभी इसमें सुधार हो सकता है। अदालत ने फरवरी 2023 में हुई इस घटना के लिए 47 वर्षीय व्यक्ति को दोषी ठहराया है। अदालत ने इस मामले में आरोपी की तरफ से सजा में नरमी की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यह अपराधी समाज के लिए खतरा है। इसको सिर्फ इस आधार पर राहत नहीं दी जा सकती कि इसका परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। बचाव पक्ष की दूसरी दलील यह थी कि अपराधी पढ़ा-लिखा नहीं है। अदालत ने कहा कि यह दलील भी उसके प्रति नरमी बरते जाने के योग्य नहीं है। दोषी द्वारा किया गया अपराध न केवल गंभीर है बल्कि जघन्य भी है। इस अपराध की भयावहता पीड़ित बच्चे की मानसिक स्थिति को देखकर लगाई जा सकती है। इस तरह के अपराध से मानवीय गरिता, सुरक्षा व संरक्षा के मूल्य का उल्लंघन होता है। इसलिए इस तरह के अपराधी को समाज से स्थायी रुप से बाहर करने की मांग उचित है। अदालत ने कहा कि अगर ऐसे व्यक्ति को समाज में दोबारा आने दिया तो वह समाज के लिए खतरा बन सकता है। अदालत इस तरह के अपराध को फैलने नहीं दे सकती।

कबूतरबाजी में 18 साल से फरार एजेंट गिर तार

नई दिल्ली / भव्य खबर । कबूतरबाजी के मामले में फरार चल रहे एक एजेंट को 18 साल बाद एयरपोर्ट पुलिस ने गिर तार किया। वर्ष 2007 में दर्ज मामले में वह फरार चल रहा था। अदालत ने आरोपी लक्की को वर्ष 2012 में भगोड़ा घोषित कर दिया था। उसने एक युवक को आठ लाख रुपये लेकर फर्जी वीजा पर इटली भेज दिया था। अतिरिक्त आयुक्त उषा रंगनानी के अनुसार, दो जुलाई 2007 को महेश सिंह को इटली से इमरजेंसी सर्टिफिकेट पर आईजीआई एयरपोर्ट भेजा गया था। इमिग्रेशन को पता चला कि पासपोर्ट नहीं होने के चलते इटली एयरपोर्ट पर उसे प्रवेश नहीं मिला। उसने बताया कि उसका असली नाम प्रदीप कुमार है। वह 30 जून 2007 को फर्जी वीजा पर इटली गया था। विमान में बैठने पर उसने अपना पासपोर्ट नष्ट कर दिया था। इस बाबत मामला दर्ज कर उसे गिर तार किया गया था। उसने पुलिस को बताया कि लक्की नामक एजेंट ने उसे 8 लाख रुपये लेकर भेजा था। उसे एजेंट ने बताया था कि इटली पहुंचने पर वह अपना नाम महेश सिंह बताए और वहां शरण मांगे। लेकिन इटली प्रशासन ने उसे प्रवेश देने से इनकार कर दिया। वर्ष 2007 से एजेंट लक्की उर्फ भूपेन्द्रजीत फरार चल रहा था। वर्ष 2012 में उसे अदालत ने भगोड़ा घोषित किया था। हाल ही में मिली एक गुप्त सूचना पर पुलिस ने लक्की को दिल्ली से गिर तार कर लिया।उसने पुलिस को बताया कि कई बार वीजा के लिए आवेदन करने पर भी इटली का वीजा नहीं मिल रहा था। इसलिए उसने यात्री को फर्जी वीजा लगाकर इटली भेज दिया था।

तीन दिन बाद साफ हुआ दिल्ली का प्रदूषण

नई दिल्ली / भव्य खबर । तेज हवा और हल्की बूंदाबांदी से राजधानी की हवा में मौजूद प्रदूषक कण काफी हद तक साफ हो गए हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का ए यूआई 200 अंक से नीचे यानी मध्यम श्रेणी में रहा।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में चार मंजिला इमारत गिरने से चार लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शक्ति विहार इलाके में शनिवार तड़के चार मंजिला इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग मलबे में दब गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी के मुस्तफाबाद क्षेत्र में इमारत ढहने की घटना के बाद बचावकर्मियों ने लगभग 11 लोगों को बचा लिया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्व) संदीप लाम्बा ने बताया कि मलबे में करीब 8-10 लोगों के दबे होने की आशंका है। पुलिस ने कहा कि तड़के करीब तीन बजकर दो मिनट पर दयालपुर थाने में इमारत ढहने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस की एक टीम शक्ति विहार की गली नंबर-1 पहुंची, जहां चार मंजिला इमारत ढही थी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और एम्बुलेंस सेवाओं की बचाव टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इमारत ढहने के बाद करीब 22 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका थी। अब तक 15 लोगों को निकाला गया है और उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है, जहां चिकित्सकों ने चार को मृत घोषित कर दिया। अतिरिक्त डीसीपी लाम्बा ने कहा, 'फिलहाल एनडीआरएफ की दो टीम और अग्निशमन सेवाएं बचाव अभियान में लगी हुई हैं।÷ पुलिस अधिकारी ने बताया, ÷अब तक 14 लोगों को निकाला जा चुका है। दुर्भाग्य से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' बाद में पुलिस ने बताया कि एक अन्य व्यक्ति को जीवित बचा लिया गया। एनडीआरएफके डीआईजी मोहसिन शाहिदी ने बताया, ÷हम इसे 'पैनकेक कोलैप्स' कहते हैं ढ्ढ ढहने का एक खतरनाक प्रकार जिसमें बचने की संभावना न्यूनतम होती है। फिर भी, हमें उम्मीद है कि लोग जिंदा होंगे और हम सक्रिय रूप से उनकी तलाश कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि मलबा हटाने का काम धीरे-धीरे किया जा रहा है क्योंकि यह अत्यधिक भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, जिससे बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया है। पुलिस के एक सूत्र ने कहा है कि हो सकता है कि भूतल पर 'दो-तीन दुकानें' थी और निर्माण कार्य के कारण इमारत ढह गई हो। चार मंजिला इमारत के मालिक तहसीन और उनका परिवार पहली मंजिल पर रहते हैं, जबकि किराएदार इमारत के बाकी हिस्से में रहते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि एजेंसियां बचाव कार्य में लगी हुई हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी घायलों के उचित उपचार की व्यवस्था की गई है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुस्तफाबाद में इमारत ढहने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' गुप्ता ने कहा, 'इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव कार्यों में प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करने की अपील करता हूं।' वहीं आप नेता आतिशी ने भी घटना पर दुख जताया और आप कार्यकर्ताओं से अभियान में अधिकारियों का सहयोग करने का आग्रह किया।

डीयू के शिक्षकों ने यूजीसी विनियमन मसौदे को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने शनिवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में यूजीसी विनियमन का मसौदा --2025 पर सम्मेलन आयोजित कर शिक्षकों से विचार जाने । इस कार्यक्रम में अधिकांश शिक्षकों ने इस मसौदे की आलोचना की और कहा कि इसमें सुधार की आवश्यकता है । शिक्षकों से बिना राय जाने लागू न किया जाए । सम्मेलन के शुरूआत में डूटा अध्यक्ष प्रो. ए.के. भागी ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्रों (आईटीसी) की तुलना में शिक्षण अधिगम केंद्रों (टीएलसी) को प्राथमिकता देनी चाहिए खासकर देश भर में कई संस्थानों के सामने आने वाली बुनियादी ढांचागत चुनौतियों के मद्देनजर। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि नियुक्ति और पदोन्नति के मानदंड अधिक कठोर नहीं होने चाहिए । उन्होंने शैक्षणिक संदर्भों की विविधता को समायोजित करने के लिए लचीलेपन का आह्वान किया। ज्ञात हो कि यूजीसी विनियमन मसौदा 2025 यूजीसी ने 6 जनवरी 2025 को शिक्षकों और शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति और पदोन्नति के लिए न्यूनतम योग्यता और उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव के उपाय को जारी किया था। यह मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्ति, पदोन्नति और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव प्रस्तावित करता है। लेकिन इसके कई प्रावधानों पर शिक्षकों को आपत्ति है। कार्यक्रम में वक्ता के तौर पर डॉ संजय पासवान ने समावेशिता के आह्वान को दोहराया और जोर दिया कि नियामक ढांचे को भारत के विस्तृत और विविध उच्च शिक्षा परिदृश्य में संस्थानों और व्यक्तियों की विभिन्न जरूरतों को प्रतिबिंबित करना चाहिए। पूर्व डूटा अध्यक्ष डॉ नंदिता नारायण ने अकादमिक इकाई को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक वित्त पोषित शिक्षा प्रणाली और यूजीसी की भूमिका और इस संबंध में प्रस्तावित नियमों की विफलता पर जोर दिया। विचार सम्मेलन के दूसरे सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति --2020 के उद्देश्यों के साथ मसौदा विनियमों के सरेखण को स्वीकार करते हुए डूटा ने अकादमिक स्वायत्तता, भर्ती, पदोन्नति और संस्थागत विविधता पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की। सम्मेलन के दौरान पारित किए गए प्रमुख प्रस्तावों में उनके वर्तमान स्वरूप में मसौदा विनियमों की स्पष्ट अस्वीकृति शामिल थी जिसमें मांग की गई थी कि उन्हें 8 वें वेतन आयोग के ढांचे में एकीकृत किया जाए और व्यापक हितधारक परामर्श के माध्यम से संशोधित किया जाए। प्रमुख सिफारिशों में एमफिल और पीएचडी वेतन वृद्धि जारी रखना, पदोन्नति के लिए पिछली सेवा की उचित मान्यता, समयबद्ध और पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रिया, शोध अवकाश के लिए बढ़ा हुआ समय और वरिष्ठ प्रोफेसरों की नियुक्तियों पर मनमानी सीमा हटाना शामिल था ।

सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे यह आम आदमी की बेटी की शादी है?

–केजरीवाल ने सरकारी बारात घर की बजाय पांच सितारा होटल क्यों बुक कराया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल हमेशा साधारण चप्पल और नीली शर्ट पहने नजर आते हैं, जिससे उनकी छवि साधारण व्यक्ति की लगती है। यह अलग बात है कि उन्होंने दिल्ली का सीएम रहते हुए अपने लिये सरकारी खर्चे पर शीश महल बनवाया था। हालांकि बाद में उनको सीएम पद और शीश महल छोड़ना पड़ा और उनके दामन पर लगे दागों के कारण जनता ने उनको विधानसभा चुनाव में नकार दिया, लेकिन सत्ता में रहते हुए आम आदमी पार्टी के नेताओं को शानो शौकत का जो शौक लग गया है वह अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है।

अरविंद केजरीवाल भले किसी सरकारी पद पर नहीं हैं लेकिन वह लग्जरी गाड़ियों के लंबे चौड़े काफिले के साथ चलते हैं। केजरीवाल की बेटी की शादी की जो तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं वह बता रहे हैं कि एक समय खुद को आम आदमी कहने वाला शख्स खास आदमी बन चुका है। बता दें कि वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अरविंद केजरीवाल महंगे कपड़े पहने डांस कर रहे हैं। अपुष्ट रिपोर्टों के मुताबिक दिल्ली के पांच सितारा होटल में हुई इस शादी पर हुए खर्च का लोग सोशल मीडिया पर अनुमान लगा रहे हैं। शादी समारोह में पंजाब के सीएम भगवंत मान को भांगड़ा करते देखा जा सकता है। मनीष सिसोदिया की शानो शौकत भी देखते बन रही है। लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं कि आम आदमी ने सरकारी बारात घर की बजाय पांच सितारा होटल क्यों बुक कराया?

बता दें दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता ने संभव जैन से शादी की है। दोनों की मुलाकात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में हुई थी। शुक्रवार को लुटियंस दिल्ली में तमाम वीवीआईपी की उपस्थिति में विवाह समारोह संपन्न हुआ। आम आदमी पार्टी के सूत्रों का कहना है कि अरविंद केजरीवाल की बेटी की शादी कपूरथला हाउस में हुई जो राजधानी में रहने के दौरान पंजाब के सीएम का आधिकारिक निवास है। बता दें कि केजरीवाल का दामाद संभव जैन ने आईआईटी दिल्ली से स्नातक किया है। वह एक निजी कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट के तौर पर काम करते हैं। हर्षिता ने केमिकल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा प्राप्त की है। हर्षिता और संभव की शादी का रिसेप्शन रविवार 20 अप्रैल को हो सकता है। इस शादी समारोह में मीका सिंह और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री गोपाल राय भी मौजूद थे। आप सांसद संजय सिंह ने भी हर्षिता केजरीवाल की शादी के बाद अपनी खुशी जाहिर की।

ब्लूस्मार्ट के को-फाउंडर पर हेराफेरी के आरोप के बाद कंपनी बंद होने की कगार पर

–कंपनी में क्रिकेटर, फिल्म स्टार और कई दिग्गजों का लगा है पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक राइड हेलिंग स्टार्टअप ब्लूस्मार्ट के को-फाउंडर पर हेराफेरी के आरोप लगने के बाद अब कंपनी बंद होने की कगार पर है और सेबी के जांच के घेरे में है। कंपनी ने अपनी कैब सर्विस, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और अन्य जगहों पर अस्?थायी तौर पर बंद कर दी है क्योंकि कंपनी आर्थिक संकट से जूझ रही है। ये कंपनी इलेक्ट्रिक बेड़े और ग्रीन बिजनेस मॉडल के लिए मशहूर थी, जिस कारण इसमें बड़े-बड़े दिग्गजों ने पैसा लगाया। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, बजाज कैपिटल के संजीव बजाज और शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज अशनीर ग्रोवर का भी पैसा लगा है। इस कंपनी के को-फाउंडर अनमोल सिंह जग्गी और इनके भाई पुनित सिंह जग्गी जो गेनसोल इंजीनियरिंग कंपनी के प्रमोटर्स हैं, उन्?होंने जेनसोल कंपनी के नाम पर लिए गए लोन के पैसों का गलत इस्तेमाल किया और उस पैसे से फ्लैट, गोल्फ किट, ट्रैवेल जैसी लग्जरी चीजों पर 262 करोड़ से ज्यादा खर्च किए, जिसका हिसाब सेबी को जांच में नहीं मिला। ऐसे में सेबी ने इसके प्रमोटर्स को कंपनी के मैनेजमेंट से रोक दिया और मार्केट में एंट्री पर भी बैन लगा दिया है, जिस कारण अब ब्लूस्मार्ट का परिचालन भी खतरे में है और इसके निवेशक चिंतित हो गए हैं। बता दें ब्लूस्मार्ट ने शुरुआत में निवेशकों की एक बड़ी संख्या को आकर्षित किया था। 2019 में दीपिका पादुकोण के फैमिली ऑफिस ने बजाज, जितो एंजल नेटवर्क और रजत गुप्ता के साथ मिलकर 3 मिलियन डॉलर के एंजल फंडिंग राउंड में भाग लिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक एमएस धोनी और दीपिका के पारिवारिक कार्यालयों ने ब्लूस्मार्ट की फाइनेंशियल ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसमें जुलाई 2024 में एक बड़ा निवेश दौर भी शामिल है। प्राइवेट सर्किल के आंकड़ों के मुताबिक जग्गी ब्रदर्स के पास ब्लूस्मार्ट का करीब 33 फीसदी हिस्सा है। सीरीज ए राउंड में निवेशक बीपी वेंचर्स के पास 14.3 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे ब्लूस्मार्ट ने 25 मिलियन डॉलर के सीरीज ए राउंड को वैश्विक स्तर पर मोबिलिटी सेक्टर में सबसे बड़ा निवेश बताया था। कंपनी ने 2024 में प्री-सीरीज बी राउंड में 24 मिलियन डॉलर जुटाए, जिसमें एमएस धोनी के पारिवारिक कार्यालय, रिन्यू पावर के सीईओ सुमंत सिन्हा और स्विस एसेट मैनेजर रेस्पॉन्सएबिलिटी इन्वेस्टमेंट्स से निवेश शामिल हैं। इस दौर में 200 करोड़ रुपए जुटाए गए, जिसमें स्विस इम्पैक्ट इन्वेस्टर रिस्पॉन्सएबिलिटी और रीन्यू के चेयरमैन सुमंत सिन्हा की भी भागीदारी रही। ये निवेश इस बात को बताती है कि ब्लूस्मार्ट की आगे की राह में हाई-प्रोफाइल निवेशकों का भरोसा रहा है। अशनीर ग्रोवर ने संकट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा कि मैं मौजूदा स्थिति में पीड़ित हूं... मुझे उम्मीद है कि व्यवसाय अपने हितधारकों की खातिर मौजूदा संकट से उबर सकता है। बता दें ब्लूस्मार्ट जेनसोल की औपचारिक सहायक कंपनी नहीं है, लेकिन इसके वित्तीय संबंध बहुत गहरे हैं। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट की सहायक कंपनियों के बीच 148 करोड़ रुपए से ज्यादा का लेन-देन हुआ, जिससे दोनों के बीच मजबूत संबंध का पता चलता है, जो अब गहन जांच के दायरे में आ गया है।

खराब हाईवे पर टोल टैक्स नहीं वसूलने के हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि खराब स्थिति में हाईवे पर टोल टैक्स नहीं वसूला जाना चाहिए। इससे पहले हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में 80 फीसदी की कटौती की थी। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएच-44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर 75 फीसदी की दर से टोल वसूल सकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई, 2025 को होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने फरवरी 2025 में एक जनहित याचिका के जवाब में आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जब तक दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक एनएच-44 के लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क को 80 फीसदी तक कम किया जाए। हाईकोर्ट ने तर्क दिया था कि निर्माण कार्य के कारण राजमार्ग की खराब स्थिति के चलते यात्रियों से पूरा टोल वसूलना अनुचित यानी सही नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि टोल शुल्क का उद्देश्य यात्रियों को अच्छी और सुचारू सड़क प्रदान करना है और यदि सड़क खराब स्थिति में है, तो टोल वसूलना उचित सेवा के सिद्धांत का उल्लंघन है।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कई अन्य निर्देश भी जारी किए थे, जिनमें टोल प्लाजा के बीच न्यूनतम 60 किलोमीटर की दूरी का पालन करने, टोल कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन करने और तीर्थयात्रियों से अनुचित टोल वसूली पर रोक लगाने जैसे बिंदु शामिल थे।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जून 2024 में एक वैश्विक कार्यशाला में कहा था कि खराब सड़कों पर टोल वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। एनएचएआई ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। एनएचएआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट ने टोल दरों में हस्तक्षेप करके अपनी अधिकारिता का उल्लंघन किया है, क्योंकि टोल दरें केंद्रीय नियमों द्वारा नियंत्रित होती हैं।

सॉलिसिटर मेहता ने बताया कि एनएच-44 के चार से छह लेन में मरम्मत के दौरान पहले से ही टोल शुल्क में 25 फीसदी की कमी की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 75 फीसदी की दर पर टोल वसूला जा रहा था। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की सुप्रीम कोर्ट पीठ ने 15 अप्रैल, 2025 को अंतरिम आदेश जारी करते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि इस आदेश पर रोक रहेगी। कोर्ट ने एनएचएआई को मौजूदा नियमों के तहत 75 फीसदी की दर पर टोल वसूलने की अनुमति दी और मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 19 मई की तारीख तय की है।

मणिपुर की युवती ने छत से कूदकर जान दी

नई दिल्ली (एजेंसी) । दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के किलोकरी गांव में रहने वाली 20 वर्षीय एक युवती ने अकेलेपन और लगातार मिल रही असफलता से परेशान होकर छत से कूद कर आत्महत्या कर ली । वह मूलतः मणिपुर की रहने वाली थी । पुलिस को प्राथमिक जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज मिला है । इसमें युवती छत से कूदती हुई दिखाई दे रही है । पुलिस को युवती के मोबाइल में सुसाइड नोट मिला है । इसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। सुसाइड नोट में आत्महत्या का कारण अकेलापन और लगातार मिल रही असफलता की बात लिखी है । पुलिस ने मृतका प्रिय लक्ष्मी देवी खानगी बाम के शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स में रखवा दिया है । युवती के परिजनों को सूचना दे दी गई है । फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है । पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि प्रिय लक्ष्मी खानगी बाम मणिपुर के विष्णुपुर की रहने वाली थी । 19 अप्रैल की सुबह करीब 6:22 बजे सनलाइट कॉलोनी पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली थी कि गुप्ता स्टोर महारानी पार्क के पास एक युवती का शव पड़ा है । सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की । प्राथमिक जांच में समाने आया कि मृतका अक्टूबर 2024 से अपनी रूममेट मरीना के साथ किलोकरी के मकान नंबर सी–43 की तीसरी मंजिल पर रहती थी । दोनों नोएडा की एक बीपीओ कंपनी एनर्जाइजर में काम करती थी । पुलिस ने मृतकर की रूममेट मरीना से पूछताछ की । जांच के दौरान इमारत की छत पर लगे सीसीटीवी में प्रिय लक्ष्मी देवी छत पर अकेले चलते और फिर नीचे कूदते हुए दिखाई पड़ी । आगे की जांच के लिए सीसीटीवी को सुरक्षित रख लिया गया है । मामले की जांच के लिए क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया । क्राइम टीम ने युवती के कमरे की जांच की तो युवती के फोन में एक सुसाइड नोट मिला । नोट में मृतका ने भावनात्मक और मानसिक तौर पर परेशान होने के साथ ही असफलता, अकेलेपन को अपनी परेशानी की वजह बताया है । फिलहाल पुलिस उनके परिजनों को सूचना दे दी है । परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा ।

हेलिकॉप्टर संकट : अब ध्रुव की उड़ान पर रोक, बार बार क्रैश हो रहे चेतक और चीता

नई दिल्ली । हेलिकॉप्टरों को लेकर एक नया संकट दिखाई दे रहा है । चेतक और चीता बार बार क्रैश हो रहे हैं इनमें उड़ान भरना किसी खतरे से कम नहीं है वहीं ध्रुव पर पहले से ही रोक लगी है । ऐसे में हेलिकॉप्टर संकट लाजिमी है । लगभग 330 ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) लंबे समय से ग्राउंडेड हैं । इसने सैन्य अभियानों, विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों में सप्लाई उड़ानों और टोही मिशनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है । भारतीय सशस्त्र बल पहले से ही 350 पुराने सिंगल–इंजन वाले चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की खराब हालत और बार–बार क्रैश होने की घटनाओं से जूझ रहे हैं । ये ध्रुव हेलिकॉप्टर भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल की रीढ़ माने जाते हैं । ये हेलिकॉप्टर चीन और पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं के अग्रिम क्षेत्रों में सस्टेनेन्स फ्लाइट्स, निगरानी, टोही, खोज और बचाव अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं । लेकिन पिछले तीन महीनों से इन सभी अभियानों में भारी रुकावट आ रही है । एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है । ध्रुव हेलिकॉप्टर उड़ाने वाले पायलटों की उड़ान की दक्षता भी प्रभावित हो रही है, और अब वे केवल सिमुलेटर पर अभ्यास कर पा रहे हैं । ध्रुव हेलिकॉप्टरों पर सबसे ज्यादा निर्भरता 11.5 लाख सैनिकों वाली भारतीय थल सेना की है, जिसके पास 180 से अधिक एएलएच हैं, जिनमें 60 हथियारबंद वर्जन रुद्र शामिल हैं ।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

– आरोपी डिजिटल अरेस्ट कर वारदात को अंजाम देते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली जिले की साइबर थाना पुलिस ने तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपी डिजिटल अरेस्ट लोगों के साथ ठगी करते थे। जांच में आरोपियों का विदेशी सिडिकेड चलाने वाले चीनी जालसाजों के साथ सीधा संबंध पाया गया है। आरोपी फर्जी कंचनी के जरिए चीन में बैठे ठगों को चालू बैंक खाते उपलब्ध करते थे। पकड़े गए आरोपियों में थुंगा राजकुमार, पुष्कर चंद्रकांत पखले और कपिल रामभाऊ पाटिल शामिल है। आरोपी पुष्कर चंद्रकांत पखले ने एक बड़े संस्थान से एमबीए की डिग्री ली है, जबकि कपिल ने स्नातक की पढ़ाई की है। आरोपियों के खिलाफ गृहमंत्रालय के पोर्टल पर विभिन्न राज्यों में दर्ज 28 शिकायतें लिंक की गई हैं।

पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि भारत सरकार से सेवानिवृत अधिकारी बलिराम ने एक शिकायत गृहमंत्रालय के पोर्टल पर दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि दो मार्च को 11:30 बजे उन्हें व्हाट्सएप कॉल आया था। कॉलर ने अपना नाम दीपक शर्मा बताते हुए कहा कि वह ट्राई में कार्यरत है। दीपक ने कहा कि आपके खिलाफ मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में पीएमएलए 2002 के तहत एक केस दर्ज किया गया है। पुलिस जल्द ही सम्पर्क करेगी। 11:51 बजे पीड़ित के पास कोलाबा पुलिस स्टेशन से एक फोन कॉल आया। कॉलर ने खुद को सब-इंस्पेक्टर बताया। आरोपी ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित को डराया और बैंक और परिवार संबंधित सभी जानकारी ले ली।

तीन दिन तक किया डिजिटल अरेस्ट

आरोपियों ने पूछताछ के नाम पर पीड़ित बुजुर्ग को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट किया। आरोपियों ने बताया कि उनके बैंक खातों का मनी लॉन्ड्रिंग इस्तेमाल किया गया है। आरोपियों ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित को कोर्ट में पेश किया। इसके लिए आरोपियों ने सर्वोच्च न्यायालय का एक डमी सेट तैयार किया हुआ था। आरोपियों के साथ एक महिला भी मौजूद थी। आरोपियों ने पीड़ित को विश्वास में लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट, नोटरी, सीबीआई आदि की मुहर का इस्तेमाल किया। साथ ही, एक सीबीआई अधिकारी नरेश गोयल (जालसाज) को उनके घर के बाहर तैनात करने की बात कही। पूछताछ में सीबीआई प्रमुख विकास गुप्ता बनाकर एक शख्स को शामिल किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर कोर्ट की अवहेलना करने पर उन्हें और परिवार समेत जान से मारने की धमकी भी दी गई।

फर्जी जज के कहने पर रुपये निकाले

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट का जज बनाकर एक शख्स को बैठाया हुआ था। उन्होंने अपने पीपीएफ की सारी रकम निकाली। अपनी एफडी तोड़कर पूरी रकम आरोपियों के खाते में ट्रांसफर कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

पुलिस ने प्राथमिक जांच के दौरान चता चला कि वारदात में सभी नंबर हांगकांग से इस्तेमाल किए जा रहे थे। पुलिस ने ठगी की रकम जिन बैंकों में गई थी, उनकी जानकारी जुटाकर मनी ट्रेल्स का पता किया। दो बार राशि एलएन टेक्नोलॉजीज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के खाते में भेजी गई थी। जांच में पता चला कि इस कंपनी के कई बैंक खातों में करोड़ों रुपये थे। गृहमंत्रालय के पोर्टल पर दर्ज आठ शिकायतों में इन्हीं बैंक खातों का जिक्र आया है। इंस्पेक्टर विकास कुमार की टीम हैदराबाद, तेलंगाना पहुंची और खातों में अटैक मोबाइल नंबरों की मदद से थुंगा राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के बाद कपिल रामभाऊ पाटिल और पुष्कर चंद्रकांत पाखले को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त डायरी

शनि महाराज की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

कुशीनगर / भव्य खबर । नगर स्थित गजहा बाबा मंदिर प्रांगण में भगवान शनिदेव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय के द्वारा फीता काट कर व विधि-विधान पूर्वक पूजा - अर्चना कर किया गया। भक्तों तथा शनिदेव महाराज की जयकारों से पूरा क्षेत्र गूजता रहा। गजहा बाबा के मंदिर प्रांगण में भगवान शनिदेव के भव्य मंदिर का निर्माण सभी भक्त तथा नगरवासियों के सहयोग द्वारा कराया गया है। मूर्ति की नगर परिक्रमा के बाद शनिवार को पूरे विधिविधान के साथ मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा हुई। रविवार को भव्य महाभंडारे का आयोजन भी किया गया है। अनुष्ठान के मुख्य यजमान ज्ञानेश्वर उर्फ ज्ञानी जयसवाल पत्नी कुंती देवी व पारसनाथ वर्मा पत्नी आरती वर्मा के द्वारा शनि पूजन किया गया। मंदिर के पुजारी पुजारी लल्लन मिश्र ने बताया कि रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इस दौरान राजेंद्र जयसवाल, पवन दूबे, मनोज गुड्डु, जयसवाल, राकेश जायसवाल, बिष्णु दयाल जयसवाल, सत्य प्रकाश, शैलेश जयसवाल, गुलाबचंद गुप्त, वदाना सोनकर, श्याम पांडेय, राजेश सोनकर, जयप्रकाश, प्रेमचंद वर्मा, पारस साहू सुरेंद्र साहू, सतीशचंद जायसवाल, गोरख साहू, अवधेश साहू, लल्लन जायसवाल, बच्चु सोनकर, प्रेमचंद साहू उपस्थित रहे।

शिविर में चिकित्सकों ने की 150 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

कुशीनगर / भव्य खबर । बुद्धा एडवांस इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल इंस्टीट्यूट एंड क्लिनिक रिसर्च सेंटर और नव सृजन ट्रस्ट के तत्वाधान में नपा कुशीनगर के महंथ वैद्यनाथ नगर (सिसवा - महंथ) में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 150 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर सलाह और दवा दी गई। शनिवार को आयोजित शिविर के शुभारंभ अवसर पर प्रधानाचार्य राम प्रवेश यादव ने कहा कि सेवा भाव से जनता की सेवा सराहनीय है। ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा शिविर सराहनीय है। शिविर में आयोजक/प्रबंधक डा. राघवेंद्र सिंह और डा. राम गोपाल पटेल, डा. नीतू वर्मा, डा. प्रिया सिंह, डा. आकांक्षा सुमन ने मरीजों की बीपी, दर्द, सर्वाइकल, साईटिका, गैस, शुगर, सूजन, लिवर आदि बीमारियों की जांच की। डा. सिंह ने मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी देते हुए कहा कि स्वच्छ परिवेश के लिए सफाई पर ध्यान दें। गर्मी से बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी का सेवन करें। आवश्यक होने पर चिकित्सक की सलाह लें। डा सिंह ने बताया कि सेवा भाव से मेरे द्वारा पिछले दस वर्षों से निःशुल्क चिकित्सा कैंप का आयोजन किया जाता है। आगे भी कैंप संचालित होता रहेगा। इस दौरान रामप्रीत सिंह, उदित वर्मा, जयराम सिंह, संजय सिंह, विनायक यादव, सत्येंद्र मिश्रा, उदय सिंह, अजय सिंह, राम प्रवेश शर्मा, राजू भारती, मुक्ति नाथ पाण्डेय, केदार सिंह, तेज प्रताप सिंह पटेल, रतन गोंड सहित भारी संख्या में मरीज मौजूद थे।

ऑपरेशन जागृति-4 के उद्देश्यों को जन-जन तक प्रचार प्रसार करने की अपील की गई

अलीगढ़/ भव्य खबर । सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में ऑपरेशन जागृति अभियान के क्रम में थाना प्रभारियों, महिला पुलिसकार्मिकों द्वारा महिला एवं बालिकाओं को ऑपरेशन जागृति-4 के उद्देश्यों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है और अभियान का जन-जन तक प्रचार प्रसार करने की अपील की गई। अनुपम कुलश्रेष्ठ अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन आगरा द्वारा जोन स्तर पर महिलाओं- बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण, संवाद, परामर्श एवं विभिन्न प्रकार के अपराधों के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु जोन स्तर पर ऑपरेशन जागृति अभियान की शुरूआत की गयी थी। पिछले चरणों में ऑपरेशन जागृति के तहत चार प्रमुख मुददों पर चर्चा की गई थी जिसके अंतर्गत महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा व उनको मोहरा बनाकर झूठी शिकायत, प्रेम संबंधों में किशोर व किशोरियों का घर से पलायन व साइबर हिंसा व उससे बचाव से संबंधित विषयों को चुना गया था। इस बार ऑपरेशन जागृति के 06 उद्देश्य प्रमुखता में है। प्रशिक्षित बीट पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी, बीट इंचार्ज द्वारा अपने द अपने क्षेत्रों के ग्राम पंचायत स्तर पर गाँवों मौहल्ले में महिलाओं एवं किशोरियों के साथ समन्वय करते हुए विभिन्न कार्यक्रम, नुक्कड़ सभा आयोजित कर जागृति के उद्देश्यों के प्रति जागरुक किया जा रहा है। बीट पुलिस अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत व विद्यालयों में भ्रमण कर छात्राओं को जागरुक किया जा रहा है। आपरेशन जागृति अभियान की सहायता से महिलाओं व बालिकाओं के प्रति अपराधों में कमी आयेगी, गलत सूचनाएं दर्ज करने मे भी कमी आयेगी, कांउसलिंग और रिपोर्टिंग सिस्टम मजबूत होगा, पलायन सम्बन्धी मामलों में भी कमी आयेगी।

लखनऊ का अभिमान : जुआ खेलते हुये 06 अभियुक्त गिरफ्तार

उन्नाव/ भव्य खबर । पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हसनगंज पुलिस द्वारा जुआ खेलते हुये 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। व0उ0नि0 इशरत हुसैन, उ0नि0 अनिल कुमार सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्तगण 1.सुमेर सिंह पुत्र प्रताप सिंह नि0 मौलाबाकीपुर 2.रामनरेश सिंह पुत्र शिवशंकर सिंह नि0 पचगहना 3.मो0 शब्बीर पुत्र अब्दुलगनी नि0 मौलाबाकीपुर 4.समर बहादुर सिंह पुत्र स्व0 कुंवर बहादुर सिंह नि0 मौलाबाकीपुर 5.भग्गा सिंह पुत्र मंशाराम सिंह नि0 मौलाबाकीपुर 6. ईश्वरलाल भारती पुत्र सुद्धु नि0 निन्देमऊ थाना क्षेत्र के ग्राम मौलाबाकीपुर, मोटू की गुमटी के पीछे से माल फड 1040 रु0 52 अदद ताश के पत्ते व जामा तलाशी से 2515 रुपये बरामद कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना हसनगंज पर मु0अ0सं0 97/2025 धारा 13 जुंआ अधि0 बनाम उपरोक्त पंजीकृत किया गया।

पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना, योजनाओं पर खर्च किए गए करीब ढाई हजार करोड़ रुपए

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । योगी सरकार ने 2024-25 में पिछड़े वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अपना खजाना खोल दिया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को राहत देने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उनकी शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, सामाजिक सहयोग और आवासीय सुविधाओं के साथ ही आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देकर सरकार सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2024-25 में सरकार ने पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना पर 168.75 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिससे 7.94 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिला है। इसके तहत, कक्षा एक से कक्षा 10 तक के पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वहीं, दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1981.45 करोड़ रुपए व्यय किए गए, जिससे 21.31 लाख छात्रों को शैक्षिक सहायता मिली। इसमें कक्षा 11 से उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले छात्र लाभान्वित होते हैं। सरकार ने पिछड़ी जातियों की गरीब बेटियों की शादी में मदद के लिए 2024-25 में 200 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इसका लाभ एक लाख बेटियों और उनके परिवारों को मिला, जिससे उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन की नई शुरूआत करने का अवसर मिला।प्रदेश सरकार ने पिछड़ी जातियों के छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिए 2024-25 में 32.92 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इस योजना से 29,769 छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान मिला, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है। शिक्षा के साथ-साथ आवास सुविधा को बेहतर बनाने के लिए भी सरकार ने छात्रावास अनुरक्षण योजना के अंतर्गत 2024-25 में 2 करोड़ रुपए की राशि व्यय की है। यह बजट प्रदेश के छह छात्रावासों के अनुरक्षण हेतु दिया गया है। इन छात्रावासों के माध्यम से योगी सरकार पिछड़े वर्ग के छात्रों को आवासीय सुविधा भी प्रदान कर रही है।

> छात्रवृत्ति, विवाह सहायता, कंप्यूटर प्रशिक्षण और छात्रावास अनुरक्षण योजनाओं पर खर्च किए गए करीब ढाई हजार करोड़ रुपए....

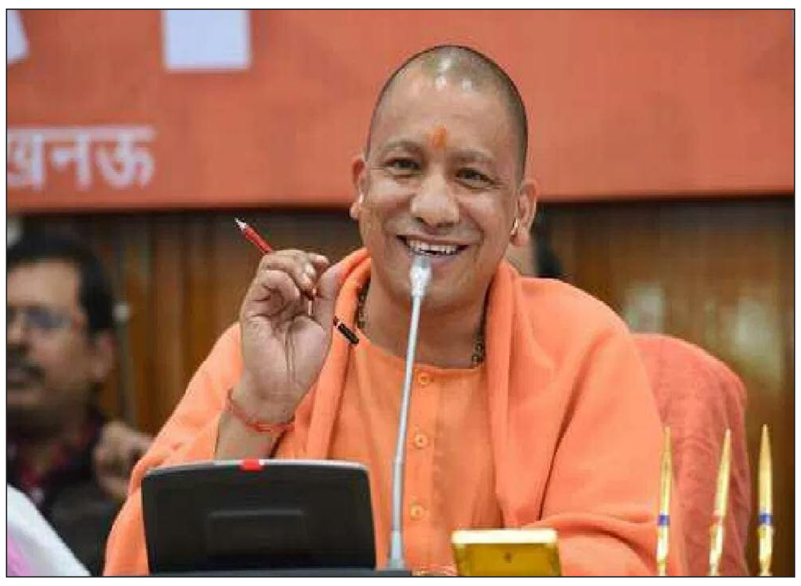

पुण्यतिथिः व्यक्तित्व के धनी थे स्व. बीके सिंहः जितेंद्र सिंह

कसया, कुशीनगर। फाजिलनगर के बड़हरा स्थित पावा पब्लिक सेकेंड्री स्कूल के प्रधानाचार्य रहे स्व. बीके सिंह की चौथी पुण्यतिथि शिद्दत के साथ मनाई गई। लोगों ने विद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विद्यालय में 100 बच्चों को निःशुल्क प्रवेश मिला। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रबंधक जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्व. सिंह व्यक्तित्व के धनी थे। वह हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सेदारी निभाते थे। शिक्षा के प्रति तत्पर थे। जिस अभिभावक के पास बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के लिए पैसे नहीं होते थे वैसे बच्चों की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेने का कार्य करते थे। यही कारण है कि आज भी वह समाज में जीवित हैं। शिक्षक सत्येंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज का उत्कृष्ट माध्यम है। इसी की देन है कि आज पूरा समाज उन्हें याद करता है। उमेश सिंह, दयाशंकर सिंह ने भी उनके व्यक्तित्व पर विस्तार से चर्चा किया। बड़े भाई शिक्षक राकेश सिंह ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया। उनकी पत्नी बबिता सिंह, पुत्र रौनक सिंह ने मेधावी छात्रों में पुरस्कार वितरण किया। संचालन प्रमोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य इंद्र रमन सिंह, बसंत सिंह, राहुल गुप्ता, फारूख अली, शिवसागर कुशवाहा, पीयूष सिंह, प्रेमसागर शर्मा, चांदनी राय, शिल्पी उपाध्याय, नीतू सिंह, स्तुति जायसवाल, रागिनी पांडेय आदि उपस्थित रहे।

शाखा ही संघ का आधारः मोहन भागवत

अलीगढ़। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ ही शाखा का आधार है और हमें शाखाओं को मजबूत करना है। हर स्वयंसेवक शाखाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे। उन्होंने सामाजिक समरसता के साथ ही हर जाति-वर्ग तक इसके विस्तार करने का आह्वान किया, कहा भारत की प्रगति के लिए अब यह बहुत आवश्यक है। शनिवार को सुबह सात बजे वह एचबी इंटर कालेज में लगी सनातन शाखा में यह बात कही। मोहन भागवत अलीगढ़ में ब्रज और मेरठ प्रांत के पदाधिकारियों को शहर घर में संघ का मंत्र लेकर पहुंचे हैं। इसमें सबसे बड़ी तैयारी शताब्दी वर्ष में प्रत्येक घर में संघ की पहुंच होने के अभियान की रणनीति है। इसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर संघ की शाखाएं लगाने का लक्ष्य है। बताते चलें कि देश भर में

83129 शाखाएं संचालित हो रही हैं, आरएसएस शताब्दी वर्ष में इन्हें बढ़ाकर एक लाख तक करना चाहता। मोहन भागवत ने शाखा की गतिविधि के चल रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की, कुटुंब प्रबोधन गतिविधि का कार्य पॉच बिन्दुओं के आधार पर चलता है भजन, भोजन, भवन, भाषा, भ्रमण। सर संघ चालक ने कहा हमारी संस्कृति दुनिया में मार्गदर्शन का केंद्र बिंदु रही है। भारत दुनिया में विश्व गुरु के स्थान पर रहे हैं और आज फिर विश्व में लोग भारत की रीति नीति परंपरा संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कुंभ में हमने यह दृश्य देखा हमारी संस्कृति संवेदना की है हमारे परिवार की जो कल्पना है, वह सुरक्षित रहे संस्कृति सुरक्षित बनी रहे। मोहन भागवत ने संदेश दिया कि हिंदू परिवार दिन में एक बार साथ बैठकर खाना जरूर खाएं। अपनी मातृभाषा में बात करें और घर ऐसा बनाएं जो हिंदू घर लगे। उन्होंने कहा कि कैसे शाखाओं की संख्या बढ़ाई जा सकती है। किन-किन क्षेत्रों में संघ के अनुकूल वातावरण नहीं है और किस तरह वहां वातावरण अनुकूल बनाया जा सकता है। उन कारणों पर भी विचार किया जाएगा, जिनके कारण वातावरण संघ के अनुकूल नहीं है। किन-किन क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति कमजोर है और किस तरह के सेवा कार्यों की जरूरत है। हमारा लक्ष्य संघ के अनुकूल स्थिति बनाना है, जिससे वहां शाखाओं की संख्या बढ़ाई जा सके।उन्होंने कहा कि इन दिनों जातिवाद को लेकर राजनीति हो रही है। इसके पीछे राजनीतिक दलों का टारगेट उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव हैं। इसीलिए मैं हर वर्ग अब प्रदेश में प्रवास कर रहे संघ प्रमुख मोहन भागवत भी जातिवाद पर प्रहार करते दिखाई दे रहे हैं।

बसपा की सदस्यता लेने पर चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो का किया स्वागत

अलीगढ़। बहुजन समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने के बाद किसान नेता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो का उनके आवास पींजरी पैंठ पर पहुंचकर क्षेत्र के सर्व समाज के लोगों ने पगड़ी बांधकर स्वागत किया इस दौरान बसपा नेता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो ने कहा बसपा किसान गरीब मजदूरों की हितेशी पार्टी दूसरी पार्टियों पर कुछ न बोलते हुए उन्होंने कहां उत्तर प्रदेश

की पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती जी ने हमेशा किसान गरीब मजदूरों के हित मे कार्य किये उन्हीं की विचारधाराओं का सम्मान रखते हुए समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली हे उन्होंने कहा किसान गरीब मजदूरों की मदद करना मेरी पहली प्राथमिकता इस मौके पर चौधरी नरेंद्र सिंह रवि चौधरी अब्दुल्ला खान रईस खान इमरान खान रूपेंद्र जैन योगेश जैन मुनेश यादव विजय सूर्यवंशी चौधरी श्याम सिंह बड़े भाई उदयवीर सिंह नितिन बजरंगी मनोज कुमार मलखान सिंह चौधरी वीरपाल सिंह अचल सिंह अरुण चौधरी सहित क्षेत्र के तमाम किसान नेता मौजूद रहे।

विकास का कोई विकल्प नहीं...पहले का भारत भ्रष्टाचार में डुबा हुआ थाः सीएम योगी

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में 1498 करोड़ लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है. जिन लोगों ने विकास नहीं कराया, वो समाज के सौहार्द को बिगाड़ने वाले लोग हैं. 2014 के पहले का भारत भ्रष्टाचार के आकंठ में डुबा हुआ था, अविश्वास का वातावरण था, आतंकवाद और नक्सलवाद देश की सुरक्षा को चुनौती दे रहा था लेकिन पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम एक नया भारत देख रहे हैं. सीएम योगी ने कहा कि वो भारत जिसने विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं, वो भारत जिसने आतंकवाद और नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प के साथ जो कार्य प्रारंभ था, आज वो सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचकर दुनिया के लिए मॉडल बना हुआ है. उन्होंने कहा कि आज जो भी, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ, किसी भी जिले में जाता है. वो कहता है विकास हुआ है. सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब नई पहचान बना रहा है. बेटियां घर से निकल रही है, व्यापारी घर से निकल रहे हैं वो भी बिना किसी भय के. उद्योग लग रहे हैं. नौजवान स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त कर रहा है. यह हर व्यक्ति के मुंह से जब निकलता है तब लगता है कि हां ये परिवर्तन हुआ है और इस परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए पिछली सरकारें सिर्फ अपने आप तक सीमित थी. उनके लिए समाज को बांटकर केवर परिवार का ही विकास करना मकसद था. वे जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर

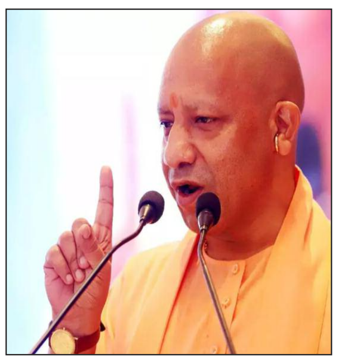

सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करना चाहते थे. दंगा भड़काते थे.

'करणी सेना योगी की सेना'... सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रामजीलाल सुमन से आवास पर आकर किया पलटवार

राणा सांगा पर बयान के बाद पहली बार आगरा में सपा के अध्यक्ष

आगरा/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । राणा सांगा पर दिए विवादित बयान के बाद सपा राज्यसभा सांसद रामजीलाल के आवास पर करणी सेना ने हमला बोला था। इसके बाद शनिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव अपने सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पर पहुंचे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रामजीलाल सुमन के आवास पर मीडिया से वार्ता करते हुए करणी सेना के प्रदर्शन पर कहा कि यह लखनऊ और दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों के वर्चस्व की लड़ाई थी। भोले-भाले लोगों को तलवारें पकड़ाकर आगे कर दिया गया। प्रदर्शन से यह संदेश दिया गया कि राजपूत योगी के साथ हैं। अखिलेश यादव ने करणी सेना को योगी सेना बताया। कहा, कि हिटलर लोगों की आवाज को दबाने के लिए अपनी सेना रखता था। सवाल उठाए कि इन्हें फंडिंग किसने की। योगी को कुछ नहीं आता है। आगरा से सामाजिक न्याय की लड़ाई शुरू करने की बात कही।

वक्फ बिल पर दिया ये जवाब

सपा मुखिया ने वक्फ बिल के सवाल पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट सही निर्णय लेगा। पीडीए के दम पर वर्ष 2027 में सरकार बनाने का दावा किया। थानों में ठाकुरों की पोस्टिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि सब जगह सिंह साहब बैठे हैं। भाजपा वालों को प्रभुत्ववादी और सामंतवादी कहा। रामजीलाल सुमन को गोली मारने की धमकी दी जा रही। अखिलेश यादव ने कहा कि वह रामजीलाल सुमन के साथ हैं। उन्होंने राज्यसभा में जो कहा था, वह सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया था। उसे प्रसारित किसने किया। उन्हें गोली मारने की धमकी दी जा रही है। धमकी देने वाला भोला-भाला और मजदूर है। आगरा के लोगों को हिंसात्मक राजनीति का विरोध करना चाहिए। सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगरा को प्रतीकात्मक राजधानी बनाएंगे।

पुलिस का सख्त पहरा,गिने चुने सपा कार्यकताओं को एंट्री

अखिलेश यादव के आने पर रामजीलाल सुमन के घर के बाहर सपाइयों ने जमकर नारेबाजी की अखिलेश जिंदाबाद और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करे सपा कार्यकर्ता दिखे। सुमन के यहां सिर्फ चयनित लोगों को प्रवेश दिया गया है। रामजीलाल सुमन के आवास को जाने वाले रास्तों पर पुलिस का सख्त पहरा है। एमजी रोड पर स्पीड कलर लैब से एचआईजी फ्लैट को आने वाले मार्ग पर बैरियर लगाए गए हैं। पॉपुलर साइकिल के बगल से स्थित रास्ते पर भी बैरियर लगाए गए हैं। लिस्ट से लोगों को मिल रहा है प्रवेश। मीडिया के नामों की भी एंट्री करने के बाद प्रवेश दिया गया। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री के आने के दौरान काफी पत्रकार बाहर रह गए।

माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हुआ यूपी, अब सिर्फ विकास की चर्चा : सीएम योगी

गोरखपुर को करीब 1500 करोड़ रुपये की सौगात दी

गोरखपुर/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर के विकास को और ऊंचाई देते हुए करीब 1500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में आयोजित लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को 2014 के पूर्व के भारत और 2017 के पूर्व के उत्तर प्रदेश की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, नौजवान किंकर्तव्यविमूढ़ थे। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौती थी। दस वर्षों से आप सबने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को भी देखा है। नया भारत विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को पूरा करते हुए, विरासत और विकास का समन्वय स्थापित करते हुए नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी आभा बिखेर रहा है। आठ वर्षों में बदलते परिवेश और परिवर्तन को सभी लोगों ने देखा है। यहां अन्नदाता किसानों को सम्मान मिल रहा है। यहां नारी गरिमा और सुरक्षा की गारंटी है। व्यापारियों को सुरक्षा की गारंटी और नौजवानों को रोजगार की गारंटी है। यहां के हर जिले का विकास देखकर लोग वाह वाह कहते हैं। नई पहचान बना रहे उत्तर प्रदेश में व्यापारी बिना भय के कारोबार करते हैं। नए-नए उद्यम लग रहे हैं तो बड़ी संख्या में रोजगार भी मिल रहा है। बहन और बेटियां बिना भय के स्कूल-कॉलेज और बाजार जा रही हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर भुखमरी से मरते थे तो बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या को मजबूर होते थे। परिस्थितियों में परिवर्तन करने की बजाय तबकी सरकारों ने समाज को जाति, क्षेत्र, मजहब के नाम पर बांटने और दंगा कराने का काम किया। दंगा कराने के बाद दोनों समुदायों से अलग अलग मिलकर उनका हितैषी बनने का दिखावा किया। उन्होंने कहा कि आज आठ साल से यूपी में दंगा नहीं, बिना भेदभाव विकास हो रहा है। आज का यूपी माफिया, गुंडा, दंगा से मुक्त होकर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज) पर काम करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सक्षम बनाने के लिए दो करोड़ स्मार्टफोन-टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। स्थानीय कारीगरों और शिल्पियों के लिए ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना चलाई जा रही है। स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि योजना से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यूपी में कोई भूखों नहीं मर सकता, यहां 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

बिहार के इस जिले में भरेगी मनरेगा की जेब, नई तारीख और नया टारगेट आया सामने

जहानाबाद। मनरेगा योजना में इस माह अप्रैल के अंत तक जहानाबाद जिले की जेब भरने की उम्मीद है। आवंटन होने पर मनरेगा के कार्यों में गति पकड़ेगी। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में मानव दिवस सृजित करने के लिए 33 लाख लक्ष्य भी निर्धारित कर दिया गया है। ग्रामीण इलाकों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए मनरेगा योजना प्रारंभ की गई थी। योजना से एक ओर जहां विकास योजनाओं को गति मिलती है, वहीं पलायन रोकने में भी यह कारगर है। किंतु पिछले पांच माह से आवंटन के अभाव में यह योजना दम तोड़ रही है। उधारी में सामग्री देने वाले वेंडरों ने अपने हाथ खड़े किए उधारी में

सामग्री देने वाले वेंडरों ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। वहीं मजदूरी भुगतान नहीं होने से मजदूरों ने भी काम में रूची नहीं ले रहे हैं। जिले में लगभग एक लाख 48 हजार मनरेगा मजदूर पंजीकृत हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सर्वे के कारण भी मनरेगा मजदूरों की संख्या फिलहाल बढ़ा है। आवास योजना के लिए सर्वे में नाम जोड़ने के लिए जाब कार्ड जरुरी है। 18 दिसंबर 2024 से मनरेगा योजना में एक भी पैसे नहीं आया है। सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले को 21 लाख सात हजार मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य दिया गया था। इसके विरुद्ध अब तक जिले में 33 लाख 10 हजार 21 से अधिक मानव दिवस श्रमिकों को दे दिया गया है। फिलहाल मनरेगा योजना में में पैसा नहीं रहने के कारण यह महत्वपूर्ण योजना जिले में फिलहाल हासिये पर चल रहा है। पैसे के अभाव में कार्य की रफ्तार धीमी है। गर्मी के मौसम में मनरेगा के तहत ज्यादातर कार्य किए जाते हैं। बरसात के आगमन के साथ मनरेगा का कार्य बंद कर दिया जाता है।

फिलहाल अप्रैल का महीना चल रहा है। ऐसे में यह मनरेगा के कार्य के लिए सर्वोत्तम समय है। मनरेगा की कार्य योजनाओं को अपने हाथ में लेने से पंचायत प्रतिनिधि से लेकर अन्य संवेदक तक बच रहे हैं। पैसे की भुगतान की स्थिति को देखकर उन लोगों को यह लग रहा है कि कार्य कराने का मतलब है कि अपने घर की कमाई इसमें लगाना है। मनरेगा के माध्यम से पक्का कार्य कराने को लेकर सामग्री लाइसेंस धारी वेंडर द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। मनरेगा योजना में पैसा नहीं दिए जाने के कारण सामग्री मद में लगभग 1683.67 लाख रुपये बकाया हो गया है। मनरेगा योजना के तहत कई कार्य किए जाते हैं। जिससे लोगों को रोजगार मिलता है। इस योजना में मानव संसाधन का ही ज्यादा इस्तेमाल होता है।

इसके तहत जॉब कार्ड धारक सक्रिय रूप से भाग लेते है। मनरेगा योजना के तहत आवास निर्माण, जल संरक्षण कार्य, बागवानी कार्य,गौशाला निर्माण कार्य, पौधा रोपण,लघु सिंचाई,ग्रामीण सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य,भूमि विकास, बाढ़ नियंत्रण से लेकर अन्य कई कार्य शामिल हैं जो मानव बल द्वारा किया जाता है।

थ्रेशर मशीन से कटकर महिला का हाथ हुआ अलग, मौत

बेतिया । थ्रेशर मशीन से कटकर महिला की मौत हो गई। घटना बैरिया प्रखंड के तधवानंदपुर पंचायत के वार्ड नंबर 10 की है। मृतक की पहचान अमरावती देवी(52) के रूप में हुई है। शनिवार को भिखम यादव के खेत में थ्रेशर मशीन से गेहूं की थ्रेसिंग चल रही थी। इस दौरान महिला का कपड़ा मशीन में फंस गया। मशीन चालक उस समय मोबाइल पर व्यस्त था। मृतका की बेटी ने बताया कि काफी शोर मचाने के बाद मशीन को बंद किया गया। लेकिन तब तक मां के दोनों हाथ और एक पैर बुरी तरह जख्मी हो चुके थे। एक हाथ पूरी तरह कटकर अलग हो गया था। ग्रामीणों और परिजनों ने तुरंत महिला को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज

अस्पताल पहुंचाया। लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मशीन लेकर मौके से फरार हो गया। मृतका के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है। उनके पति मजदूरी का काम करते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बिहार चुनाव में एनडीएको मिलेंगे 60% वोट : राजीव रंजन

बिहार चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य, एनडीए को मिलेगा समर्थन

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव : जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने शुक्रवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त है और इस बार बिहार चुनाव में गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 60 प्रतिशत वोट प्राप्त होंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने नीतीश कुमार को "करिश्माई मुख्यमंत्री" बताते हुए समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, "बिहार में एनडीए और करिश्माई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी वर्गों का समर्थन मिलता रहा है। शायद यह बड़ी वजह है कि पिछले 20 साल में नीतीश कुमार जिस चुनाव में जिस गठबंधन का चेहरा बने, बिहार की जनता ने उसे आंख मूंदकर अपना आशीर्वाद दिया है। बिहार चुनाव के लिए तय लक्ष्य के बारे में बात करते हुए राजीव रंजन ने कहा, "निस्संदेह इस चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इन 225 सीटों के साथ नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। इसे संभव बनाने के लिए मतदान केंद्रों पर 60 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। बूथ स्तर पर किए जा रहे कार्यों के बारे में उन्होंने कहा, "बिहार चुनाव जीतने की दिशा में न केवल जदयू, बल्कि भाजपा समेत अन्य तीनों दल भी मिलकर बूथ समितियों पर काम कर रहे हैं। सभी का साथ हमें हमेशा मिलता रहा है, ऐसे में हम इस लक्ष्य

को भी अवश्य हासिल करेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार के लिए यह चुनावी साल है। प्रदेश में पक्ष और विपक्ष की सभी राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हो गई हैं। प्रदेश में फिलहाल नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में है। गठबंधन का सबसे बड़ा घटक दल भाजपा है। एनडीए में भाजपा, जदयू के अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) महत्वपूर्ण दल हैं। विपक्षी महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस महत्वपूर्ण दल हैं। उनके अलावा प्रशांत किशोर की जनसुराज ने बिहार चुनाव को त्रिकोणीय रूप दे दिया है।

संक्षिप्त डायरी

सीएम ममता बनर्जी पर जमकर बरसे अखिलेश्वर दास, कर डाली बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

समस्तीपुर। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शन मंडल के सदस्य धमाचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वर दास जी महाराज (अहमदाबाद) शनिवार को समस्तीपुर जिले में पहुंचे। जिला विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में उन्होंने कार्यकताओं से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने डीएम रोशन कुशवाहा से मुलाकात की। बता दें कि डीएम से मिलकर उन्होंने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने बंगाल में हो रही हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए ममता बनर्जी की सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को ममता कहना ठीक नहीं होगा। उन्हें उन्होंने मुमताज बेगम बतलाते हुए कहा कि उन्होंने बंगाल में उपद्रवियों को छूट दे रखा है। ममता बनर्जी को राष्ट्रपति पदच्युत करते हुए बंगाल में तुरंत राष्ट्रपति शासन लागू करें। साथ ही बंगाल में जो हिंसा कर रहे हैं, उन्हें गिरफ्तार कर जेल के अंदर डालें और कड़ी से कड़ी सजा दें। साथ ही जो बाहरी हैं, उन्हें बाहर भेजें। उन्होंने कहा कि राजकीय रोटी सेकने वाली ममता बनर्जी का जन्म हिंदू परिवार में हुआ है। लेकिन मैं उन्हें हिंदू नहीं मानता। वह मुसलमान की मसीहा बनी हुई हैं। ऐसे लोगों को राज्य सत्ता से दूर रखना चाहिए। अगर वह सत्ता में आएंगे तो हिंदुओं के ऊपर ही असर होगा, उन्हें सत्ता से उखाड़ कर फेंक देना चाहिए। इस दौरान समस्तीपुर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी के साथ ही आरएसएस और भाजपा से जुड़े कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप, कहा- सरकारी खजाने को लूट रहे सत्ता में बैठे लोग

पटना। बिहार में इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष व राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। राजद कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा किसत्ता में बैठे लोग समझ चुके हैं कि वह फिर से सरकार में नहीं आएंगे और इसलिए वह सरकारी खजाने को लूट रहे हैं। एनडीए सरकार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। जनता घूसखोरी और दलाली से त्रस्त हो चुकी है।तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के महिला संवाद अभियान पर भी सवाल उठा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाईटेड बिहार सरकार के पैसों से चुनाव प्रचार कर रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि महिला संवाद के नाम पर राज्य में बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है। 225 करोड़ रुपये में प्रचार के लिए 600 चुनावी रथ मंगवाए गए हैं। ठेकेदार के जरिए मंत्री को 30 फीसदी कमीशन दिया जा रहा है।तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के खर्च के लिए कई टेंडर निकाले जा रहे हैं। यानी अब यह लोग चुनाव का खर्च भी जनता से ही निकाल रहे हैं। यहां के बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं दिया जा रहा है। ग्लोबल टेंडर के जरिए इनसे पैसा वसूला जा रहा है। सरकार बाहरी लोगों को टेंडर दे रही है। वह ऐसा जल्दबाजी में कमीशन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। यह अत्यंत ही गंभीर मुद्दा है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में छात्रा की मौत

मधुबनी । कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 13 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका सबाना प्रवीण शुक्रवार को ही विद्यालय में दाखिला लेने आई थी। सुबह करीब 4 बजे सबाना को पेट दर्द की शिकायत हुई। वार्डन रूबी कुमारी ने उसे दवा दी। दवा खाने के कुछ देर बाद बच्ची का गला घुटने लगा। उसकी हालत बिगड़ गई और मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि समय पर अस्पताल ले जाया जाता तो सबाना की जान बच सकती थी। घटना की जानकारी मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने स्कूल के गेट और खिड़कियां तोड़ने का प्रयास किया। बीडीओ और बीईओ ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस विद्यालय में पहले भी दो छात्राओं की मौत हो चुकी है। 100 से अधिक छात्राएं इस आवासीय विद्यालय में रहती हैं। विद्यालय में प्राथमिक उपचार की सुविधा नहीं है, जबकि अस्पताल मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। लोगों ने प्रभारी वार्डन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और जांच के लिए स्वतंत्र टीम गठित करने की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

इस साल बिहार से इतने हजार लोग हज करने जाएंगे मक्का, तैयारियों का सीएम ने की समीक्षा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को 1, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में हज-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो. सोहैल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हज-2025 की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।इस दौरान उन्होंने जिलावार हज यात्रियों की संख्या, इंबारकेशन प्वाइंट, हज यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार के द्वारा हज यात्रियों को सभी सुविधाएं प्रदान करने की तैयारी की जा रही है। इस वर्ष देश के 10 अलग-अलग हवाई अड्डे से बिहार के हज यात्रियों को हज यात्रा पर भेजा जाएगा। विभिन्न जगहों पर बिहार के हज यात्रियों के लिए की

गई व्यवस्था की देख-रेख के लिए वरीय अधिकारियों के अधीन टीम की प्रतिनियुक्ति की गई है।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हज यात्रियों के लिए हज यात्रा के दौरान एयरपोर्ट तक जाने के पूर्व आवासन, भोजन, आवागमन इत्यादि हेतु सभी सुविधा राज्य सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है। सभी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था करें, ताकि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो और उनकी यात्रा सुगमतापूर्वक सम्पन्न हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष मुस्लिम धर्म के लोगों को हज यात्रा हेतु उनके सबसे प्रमुख धार्मिक स्थल मक्का (सउदी अरब) भेजे जाने की व्यवस्था की जाती है। जैसी की जानकारी दी गई है कि इस वर्ष बिहार से 1391 पुरुष और 1012 महिला कुल 2403 हज यात्री हज हेतु मक्का (सउदी अरब) जाएंगे। ये हज यात्री देश के 10 अलग-अलग हवाई अड्डों से हज यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। यह बहुत खुशी की बात है। हज यात्रियों की सारी सुविधाओं का ख्याल रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हज भवन, पटना के समरूप किशनगंज में बहुउद्देशीय भवन, हज यात्रियों के लिये आवासन, भोजन, पासपोर्ट सत्यापन, टीकाकरण, विदेशी मुद्रा विनियमण आदि की बेहतर व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार की व्यवस्था सीतामढ़ी, दरभंगा सहित अन्य जिलों के लिए भी कराएं। हज यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व शुभकामना बैठक (दुआईया मजलिस) का आयोजन हज भवन, पटना में किया जाता है। इस वर्ष यह बैठक हज भवन, पटना स्थित मौलाना मजहरूल हक ऑडिटोरियम में 1 मई को प्रस्तावित है। समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री ने हज भवन जाकर दुआईया मजलिस के आयोजन की तैयारियों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमां खान, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो. सोहैल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दुल्हन को मानसिक रोगी बता दूल्हा फरार

छपरा । भेल्दी प्रखंड के हाकम गांव में एक अनोखी शादी का मामला सामने आया है। जहां बाहरन महतो की बेटी सुगंती कुमारी की शादी डोरीगंज के जलालपुर बिनटोली निवासी धीरज कुमार से तय हुई थी। शुक्रवार की रात बारात आने के साथ ही शादी की रस्में शुरू हो गईं। इसी दौरान किसी ने दूल्हे को बताया कि दुल्हन मानसिक रूप से अस्वस्थ है। यह सुनते ही दूल्हा धीरज कुमार और उनके पिता हरेंद्र प्रसाद बारात छोड़कर भाग गए। लड़की पक्ष के लोगों ने गुस्से में आकर सभी बारातियों को बंधक बना लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और करीब 12 घंटे तक दोनों पक्ष को समझाने के बाद शनिवार दोपहर शादी संपन्न हुई। इस अनूठी शादी में पुलिस और जनप्रतिनिधियों ने बाराती बनकर हिस्सा लिया। उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद भी दिया। इस शादी को देखने सैकड़ों ग्रामीण जमा हो गए थे। भेल्दी थानाध्यक्ष ने बताया कि गलत सूचना के कारण विवाद हुआ था। दोनों पक्षों को समझाने के बाद शादी संपन्न करवाई गई। शादी के बाद पुलिस की निगरानी में दूल्हा-दुल्हन को विदा किया गया। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

'प्यार के लिए लड़का से लड़की बनी, धोखेबाज निकला प्रेमी'

बेगूसराय । एक प्रेमिका ने अपने प्रेमी पर शादी के बाद धोखा देने का आरोप लगाया है। प्रेमिका का कहना है कि शादी से पहले प्रेमी ने मेरा लिंग परिवर्तन करवाकर लड़की बनाया। शादी के बाद कुछ सालों तक रिश्ता सामान्य रहा। इसके बाद वो एक किन्नर के संपर्क में आ गया और अब उसी से शादी करने की जिद कर रहा है। पीड़िता ने अपने पति पर जान से मरने की धमकी देने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने प्रशासन से अपना सामान वापस करवाने की मांग की है। मामला जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र का है। जहां युवक से प्रेम होने के बाद एक सामान्य परिवार के लड़के ने अपना लिंग परिवर्तन करवाया। लड़की बनने के बाद अपने प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज की। युवती ने बताया है कि 'अब उसके पति का अफेयर

कोलकाता की किन्नर से अफेयर चल रहा है। वो किन्नर से शादी करने की बात कह रहा है। साथ ही उसने मुझे सभी सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया है। पीयूष हमारा सब सामान लौटा दें। इसके बाद मुझे अपने पति से कोई संबंध नहीं रखना है।' युवती साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र की सन्नी उर्फ मरिया यादव है। वहीं, उसका पति साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के बाबूबरही गावं रहने वाले पीयूष यादव है, जिसका सुमन नाम के किन्नर के साथ अफेयर चल रहा है। पीड़िता ने बताया कि 'पहले पीयूष ने मेरे साथ दोस्ती की, फिर शादी रचाई। शादी के बाद मैंने ही उसे काम करने के लिए कोलकाता भेजा। जहां उसका सुमन नाम की किन्नर के साथ अफेयर चलने लगा। इसी कारण से मेरा शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण करने के बाद मुझे छोड़ दिया।

'हमारी कौम किसी के बहकावे में न आए

मुर्शिदाबाद से निकली चिंगारी देश को नहीं जला सकती'

भागलपुर । लोग एकता, भाईचारा और मोहब्बत का पैगाम देते हैं। लेकिन मुर्शिदाबाद से नफरत, हिंसा की बातें निकल कर आ रही हैं। वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करते हुए जिले के सभी मुस्लिम भाइयों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा है। ये बातें भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कही।भागलपुर में भाजपा की ओर आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा कार्यक्रम में शाहनवाज हुसैन ने कहा, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में नफरत की चिंगारी से समूचे देश को जलाने की नापाक हरकत की जा रही है। तृणमूल कांग्रेस के लोग इस

नफरत की राजनीति में संलिप्त हैं। ये लोगों को दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। हमको इसके बहकावे में नहीं आना है, हमारी कौम जज्बाती है। साल 1947 में मो. अली जिन्ना के मजहब के नाम पर मुल्क बनाने की बात पर बहकावे में आकर जो लोग पाकिस्तान चले गए। आज ऐसे लोग दर-दर भटक रहे हैं। उनकी हालत खराब है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून के तहत एक इंच भी जमीन किसी मस्जिद, कब्रिस्तान या दरगाह से छिनी नहीं जाएगी। कुछ लोग हमारे मुस्लिम भाइयों के बीच इस कानून के खिलाफ गलत बातों को प्रचारित कर रहे हैं। जो बिल्कुल ही गलत है। यह कानून गरीब, लाचार और पसमांदा मुस्लिम भाइयों के हित में है। यह किसी के खिलाफ नहीं है। साल 2013 में मैंने संसद में वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा था कि वक्फ की सारी जमीन को मुस्लिम भाइयों को सौंप देना चाहिए। ये खुद अपनी हथेली से तकदीर को लिखेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम भाइयों के लिए भारत से अच्छा देश, हिंदुओं के समान अच्छा मित्र और नरेंद्र मोदी की तरह एक अच्छा नेता कोई और नहीं हो सकता, यह मुल्क उनका भी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सभी लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाए। शाहनवाज हुसैन ने कहा, बिहार में राजद खुद को डूबने से बचा ले, यही बड़ी बात होगी। हमारा देश पूरी तरह से सुरक्षित है। कोई ताकत देश में एकता के अटूट बंधन को नहीं तोड़ सकती।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत भागलपुर से की जा रही है।

पूर्व पार्षद 4 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार, व्यापारियों को करता था ब्लैकमेल

कैथल: शहर के पूर्व पार्षद कमल मित्तल को विजिलेंस टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि कमल मित्तल व्यापारियों को प्रशासनिक कार्रवाई और आरटीआई के नाम पर ब्लैकमेल कर रहा था। वहीं विजिलेंस द्वारा गिरफ्तार किए गए पूर्व पार्षद के घर से 38.20 लाख रुपए बरामद किए गए हैं।

जानिए पूरा मामला

कमल मित्तल ने एक कपड़ों के शोरूम के मालिक को धमकाया कि उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कर शोरूम को सील करवा देगा। शिकायत को बंद करवाने के बदले उसने डीसी के नाम पर 9 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी, जिसमें से 5 लाख पहले ही ले चुका था। शुक्रवार को कमेटी चौक स्थित मार्केट में कमल मित्तल जैसे ही 4 लाख रुपए की अंतिम किश्त लेने पहुंचा, विजिलेंस टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कमल मित्तल और उसके साथियों द्वारा शहर के 25 से ज्यादा व्यापारियों को आरटीआई, जीएसटी और इनकम टैक्स विभाग में शिकायत देकर ब्लैकमेल करने का आरोप भी सामने आया है। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम आरोपी के घर भी पहुंची और तलाशी अभियान चलाया गया। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान कई अहम दस्तावेज और सबूत मिलने की संभावना है।

करनाल में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, भागते हुए 2 दबोचे

करनाल : करनाल में पानीपत पुलिस की CIA-2 की टीम और बदमाशों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हो गई। जिसमें भाग रहे बदमाशों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की। आरोपियों की पिकअप के खेतों जाकर पलट गई। पुलिस ने मौके से 2 बदमाशों को को गिरफ्तार किया है। घायलों को करनाल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पानीपत पुलिस की उक्अ-2 की टीम पर करनाल-शामली रोड पर बैटरियां चोरी कर भाग रहे बदमाशों ने पथराव और फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने पीछा किया और यमुना पुल यूपी बॉर्डर पर नाकाबंदी करवाई। आरोपी पिकअप चालक खेतों के रस्ते भागने लगे, जहां खेत में उनकी गाड़ी पलट गई। पुलिस ने मौके से 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य आरोपी फरार हो गए। आरोपियों की पहचान यूपी के रहने वाले रियासत उर्फ भूरा और उसके भाई असलम के रूप में हुई है। घायलों का करनाल के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।मंगलोरा चौकी के पुलिसकर्मी ने बताया पानीपत उक्अ-2 की टीम को गुप्ता सूचना मिली थी पानीपत के कई मुकदमों के आरोपी यूपी के ओर जा रहे हैं। जब उन्हें रोकने को गया तो उन्होनें पुलिस पर फायरिंग और पथराव किया। लेकिन पुलिस टीम ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है। ये आरोपियों पर कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम नायब सैनी ने पंचकूला में किया चार बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास, विपक्ष को भी लिया आड़े हाथ

चंडीगढ़(एजेंसी): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में चार बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसको लेकर सीएम सैनी ने पंचकूला के परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए दोनों हाथ जोड़कर ह्यराम-रामह्ल किया। प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार विकसित हरियाणा की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सीएम ने यहां मंच पर हुंकार भरते हुए विपक्ष को भी आड़े हाथ लिया है। आपको बता दें, पंचकूला दौरे पर शनिवार को सीएम नायब सैनी ने पंचकूला को जोड़ने वाली सड़क व घग्गर नदी पर बने पुल का उद्घाटन किया। करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से घग्घर नदी पर पुल बनाया गया है। पंचकूला और पंजाब के पिरमुछल्ला को जोड़ने वाला डेढ़ किलोमीटर के पुल बनने से 7 किलोमीटर का सफर कम होगा। इसके साथ ही सीएम सैनी ने पंचकूला

सेक्टर 28 और 31 में औषधालय भवनों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उद्घाटन कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, विधायक शक्ति रानी शर्मा, विधानसभा पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता भी मौजूद रहे। इसके साथ ही सीएम ने कहा- पंचकूला के स्लम बस्ती निवासियों को अच्छा मकान मिले, इसके लिए जगह चिह्नित की गई है। सीएम ने कहा आज 4 परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है। पंचकूला के नागरिक अस्पताल में 300 बैड लगाए। विकसित भारत को पूरा करने के लिए तेजी से काम हो रहे हैं। हमने अपने संकल्प पत्र को 19 वादों को पूरा किया। पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक दिया। हमारी सरकार ने गरीब परिवार को मालिकाना हक दिया। इस पुल से पंचकूला को विकास की गति मिलेगी। हम स्लम बस्तियों में तेजी से विकास करेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यह्ल पर शेयर कर लिखा कि, ह्लआज मेरे लिए बहुत ही गौरव का दिन है! चार बड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के लिए मैं पंचकूला के परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए दोनों हाथ जोड़कर ह्यराम-रामह्ल करता हूँ। पंचकूला में घग्गर नदी पर बना नवनिर्मित पुल हमारी सरकार की ह्यनॉन-स्टॉप विकासह्ल की इच्छा शक्ति का प्रतीक है, जिसके बनने से जिले के विकास को एक नई गति और एक नई दिशा मिली है। मुझे विश्वास है कि माता मनसा देवी जी और नाडा साहिब जी की छत्रछाया में फल-फूल रही पंचकूला नगरी के विकास में यह परियोजनाएं महत्वपूर्ण साबित होंगी तथा लोगों के जीवन को और सरल व सुगम बनाने में यह मील का पत्थर भी साबित होंगी। सीएम नायब सैनी ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि, ह्लमैंने विपक्ष के लोगों से कई बार पूछा है कि आपके समय में क्या हुआ, जनता को यह बताने का काम करें, अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाएं। लेकिन उनके पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। मगर झूठ बोलने के लिए कांग्रेस के पास बहुत कुछ है। लगातार झूठ बोलकर ये लोग जनता को गुमराह करने का काम करते हैं। परंतु अब इनकी बातों में कोई आने वाला नहीं है। कांग्रेस में पीढ़ियों का भ्रष्टाचार है, काँग्रेस ने नेशनल हेराल्ड के अंदर जो भ्रष्टाचार किए हैं, उसकी जांच भी लंबे समय से चल रही है। इससे पहले सीएम सैनी ने शनिवार को हरियाणा राजभवन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विकास से संबंधित विभिन्न जनहितकारी विषयों पर सार्थक चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया है।

मंडियों पर पड़े गेहूं को लेकर दीपेंद्र हुड्डा ने जताई चिंता,

सैनी सरकार से की बड़ी मांग

चंडीगढ़ (एजेंसी) : सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा की मंडियों में 12 लाख टन गेहूं खुले में पड़े होने और खरीद एजैंसियों की अव्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेशभर में गेहूं खरीद में किस कदर अव्यवस्था फैली हुई है। 12 लाख टन गेहूं खुले में पड़ा है, अगर बारिश से गेहूं खराब हुआ तो किसान नहीं सरकार जिम्मेदार होगी। क्योंकि, मौसम विभाग ने अगले 1-2 दिनों में ही बारिश का पूवार्नुमान दिया है। ऐसे में अचानक बारिश से अगर फसल को नुक्सान हुआ तो इसकी पूरी कसूरवार हरियाणा सरकार और उसकी खरीद एजैंसियां होंगी क्योंकि एजैंसियों ने पहले खरीद शुरू करने में देरी की। उन्होंने कहा कि मंत्री मंडियों में जाने की बात तो कह रहे लेकिन अब तक उन्हें किसी मंडी में नहीं देखा गया। वहीं, सरकार ने किसानों पर 12 प्रतिशत नमी की ऐसी शर्त लगा दी कि उससे बचने के लिए किसान मंडी में अपनी फसल लाकर सुखाने को मजबूर हो या। उन्होंने मांग की कि 12 प्रतिशत मी वाली शर्त में राहत देकर उसे कम से कम 14 प्रतिशत किया जाए।

जांच एजैंसियों की भूमिका पर प्रश्नचिन्ह लगा

दीपेंद्र ने भाजपा सरकार द्वारा पूरे देश में जांच एजेंसियों के राजनीतिक प्रयोग

के खेल पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि हरियाणा समेत अन्य राज्यों के बहुत से ऐसे नेता हैं जिन पर मुकद्दमे दर्ज हुए लेकिन दबाव में आकर जब उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली तो उन्हें मुकद्दमों से राहत मिल गई। इतना ही नहीं भाजपा के शीर्ष नेता जिन्हें भ्रष्टाचारी बताते थे उन्हें अपना प्रमुख सहयोगी बना लिया है। हरियाणा, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के नेता इसका ज्वलंत उदाहरण हैं। इसलिए पूरे देश में आज जांच एजेंसियों की भूमिका पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।

मोदी से मिलने की तमन्ना लिए 11 साल से झाड़ू लगा रहा बुजुर्ग, 3 महीने 9 दिन का भी रखा था उपवास

चरखी दादरी : दादरी के गांव कारी मोद निवासी 72 वर्षीय रामचंद्र स्वामी ने 11 साल पहले नरेंद्र मोदी से मिलने की ठानी और उन तक पहुंचने के लिए स्वच्छता को जरिया बनाया है। इसके लिए उन्होंने पीएम के क्लीन इंडिया को आगे बढ़ाते हुए झाड़ू उठाई। उन्होंने हरियाणा के अलावा गुजरात, राजस्थान में कई स्थानों पर लगातार स्वच्छता मुहिम चलाई है। वे पीएम से मिलने की तमन्ना लिए आज भी अपने कार्य में जुटे हुए है।

मोदी से मिलने के लिए 2 बार दिल्ली तक कर चुके पैदल यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान कृष्ण स्वरूप मानने वाले रामचंद्र स्वयं को गरीब सुदामा बताते हैं और पीएम मोदी से मिलने दो बार दिल्ली तक की पैदल यात्रा कर चुके हैं लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो पाई है। हाल ही में हरियाणा दौरे के दौरान पीएम ने कैथल के व्यक्ति से मुलाकात कर उनको जुते पहनाए तो रामचंद्र स्वामी को इससे हौसला मिला है और उनमें मोदी से मिलने की नई उम्मीद जगी है।

कार पर लिखवाया- 1972 का अनपढ़ ड्राइवर, मोदी से मिलने की तमन्ना

बता दें कि दादरी जिले के गांव कारीमोद निवासी रामचंद्र स्वामी ट्रक ड्राइवरी का काम करते थे और अक्सर उनका गुजरात आना-जाना रहता था। वहां के स्वच्छता कार्यों से प्रभावित होकर उनके मन में नरेंद्र मोदी के प्रति आस्था जगी। वहीं जब 2014 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया तो उन्होंने उनके प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हुए तीन महीने नौ दिन का उपवास रखा। बाद में भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद ने उनका उपवास तुड़वाया था। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री ने पीएम बनने के बाद जब झाड़ू उठाकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की तो रामचंद्र ने भी ट्रक ड्राइवरी छोड़ झाड़ू उठा ली और स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। रामचंद्र उसके बाद से एक कार रखते हैं और उसी में हमेशा झाड़ू साथ रखते और अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर मुख्य बाजारों, चौक-चौराहों के अलावा सार्वजनिक स्थानों पर सफाई में जुटे रहते हैं। उन्होंने कार पर भी मोदी भक्त लिखवा रखा है। इसके अलावा कार पर उन्होंने लिखवाया है कि 1972 का अनपढ़ ड्राइवर, मोदी से मिलने की तमन्ना। रामचंद्र बीते करीब 11 सालों से बिना किसी लोभ-लालच के सेवा भावना से अपने कार्य में जुटे हुए है। उन्होंने बताया कि उन्होंने लिखित शपथ पत्र दे रखा है कि यदि वे कहीं भी स्वच्छता कार्य करते समय किसी हादसे का शिकार हो जाए या उनकी मौत हो जाए तो उसका जिम्मेदार कोई नहीं होगा वे स्वयं जिम्मेवार होंगे और इसके बदले किसी प्रकार का अनुदान या कोई आर्थिक सहायता भी उनके परिजनों को ना दी जाए। वे केवल और केवल सेवा भावना से कार्य करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे जहां भी जाते हैं वहां चाय पीने के अलावा कुछ भी नहीं लेते।

बारिश और आंधी से फसलों को हुआ नुकसान, इनेलो ने की मांग-मुआवजा दे सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी) : हरियाणा में बदले मौसम से कई किसानों की फसल खराब हो गई है। इनेलो ने सरकार से किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा देने की मांग की है। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि धूल भारी आंधी और बारिश से पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल,जींद, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, भिवानी, फतेहाबाद और सिरसा जिलों में किसानों की लाखों टन फसल खराब हो गई है। किसानों का 30 लाख टन से अधिक गेहूं इन जिलों की मंडियों में रखा है जिसका

अभी तक उठान नहीं हुआ है। वहीं गेहूं की फसल में आग लगने से हिसार में लगभग दर्जन भर एकड़, सिरसा में करीब 400 एकड़, कैथल में करीब 135 एकड़, कुरुक्षेत्र में करीब 170 एकड़ और झज्जर में लगभग 200 एकड़ से ज्यादा फसल पूरी तरह से जल गई। चौटाला ने कहा कि जब हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री मोदी की रैली के लिए किसानों को उसकी फसल के साथ साथ 61 हजार रुपये मुआवजे के तौर पर दे सकती है तो अब हजारों एकड़ फसल बर्बाद होने के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए सरकार तुरंत विशेष गिरदावरी करवा के बर्बाद हुई फसल का 61 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे। अगर मुआवजा देने में देरी की तो इनेलो किसानों के पक्ष में खड़ी होके सड़कों पर उनकी लड़ाई लड़ेगी।

अब 3 लाख से ज्यादा इनकम वाले परिवार भी उठा सकेंगें इस स्कीम फायदा

चंडीगढ़ (एजेंसी) : हरियाणा सरकार ने 'चिरायु आयुष्मान भारत योजना' का विस्तार कर इसमें कुछ बदलाव किया है। अब इसमें कुछ अंशदान जमा कराने के बाद 3 लाख से अधिक आय वाले परिवार भी 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा करा सकेंगे। इस स्कीम में संशोधन के बाद अब 3 लाख से 6 लाख रुपए तक की वार्षिक आय

वाले परिवार को मात्र 4 हजार रुपए का वार्षिक अंशदान देना होगा। इसी प्रकार 6 लाख से ज्यादा इनकम वाले परिवारों के लिए 5 हजार रुपए का अंशदान निर्धारित किया गया है। बता दें कि अब तक परिवार पहचान पत्र के मुताबिक 1.80 लाख और 3 लाख के बीच इनकम वाले परिवार वार्षिक 1500 रुपए देकर इस स्कीम का लाभ सकते थे। 1 लाख 80 हजार रुपए से नीचे के इढछ परिवारों का बीमा सरकार खुद कराती है। इस स्कीम के तहत लाभार्थी प्रदेश भर में सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त करा सकते हैं।

योजना में उम्र या परिवार के आकार पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती है। इसमें परिवार के सभी सदस्यों को कवर किया जाएगा।

एशियन अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: झज्जर के हिमांशु ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक, 67.57 मीटर भाला फेंका

झज्जर : झज्जर के साल्हावास निवासी हिमांशु जाखड़ पुत्र दलबीर जाखड़ ने 2025 में सऊदी अरब के दम्मम में आयोजित एशियन अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 67.57 मीटर भाला फेंककर भारत के लिए पहला और एकमात्र स्वर्ण पदक जीतकर

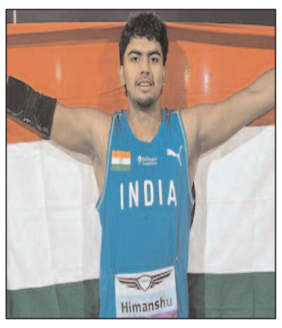

इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, क्षेत्र और जिले बल्कि पूरे हरियाणा को गौरवान्वित किया है। इससे पहले भी हिमांशु ने नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। हिमांशु की इस असाधारण उपलब्धि पर उसे ग्रामीणों की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। हिमांशु ने जेवलिन थ्रो में अपने आदर्श नीरज चोपड़ा को बताया। एक साधारण किसान परिवार से आने वाले हिमांशु जाखड़ ने यह सिद्ध कर दिया कि सपने केवल देखने से नहीं बल्कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से पूरे होते हैं।

हरियाणा में कहीं तेज तपिश तो कहीं बारिश व ओलावृष्टि, आंधी ने उड़ाई किसानों की नींद

हिसार (एजेंसी) : हरियाणा में मौसम में कई जगह बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कहीं पर तेज तपिश व हीट वेव का सितम जारी है तो कहीं हल्की से मध्यम बारिश बूंदाबांदी व ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। हिसार के खेदड़ गांव में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को नुक्सान पहुंचा। इसके अलावा सिरसा, जींद, झज्जर, भिवानी, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, पंचकूला व कुछ अन्य जगहों पर अंधड़ आया। हिसार में रात्रि को तेज अंधड़ आया। इनमें से कुछ जगहों पर बारिश हुई। यह बदला मौसम किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। खेतों में गेहूं कटाई का सीजन चल रहा है। साथ ही जिन किसानों की फसल कट चुकी है, उनकी मंडियों में खुले आसमान के नीचे गेहूं है। हरियाणा में शुक्रवार सुबह से मौसम में बदलाव देखने को मिला। हिसार के गांव बालसमंद में तेज तपिश से लोगों का बुरा हाल रहा। बालसमंद में दोपहर का पारा 43.7 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया जो हरियाणा में सर्वाधिक रहा। हिसार में 43.5, सिरसा में 43.0, नारनौल में

42.8, रोहतक में 42.0, महेन्द्रगढ़ में 42.5 डिग्री सैल्सियस तापमान रहा। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में एक पश्चिमी विक्षोभउत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हो गया है जिसकी वजह से एक चक्रवातीय सकुर्लेशन मध्य और दक्षिणी पंजाब पर बना हुआ है। तेज रफ्तार हवा चल रही है। इस मौसम प्रणाली से पंजाब पर और हरियाणा के उत्तरी जिलों पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर पर तेज गति से हवाएं चलने अंधड़ के साथ बारिश व ओलावृष्टि की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। दूसरी तरफ हरियाणा के पश्चिमी दक्षिणी जिलों पर आसमान से आग बरस रही है। पश्चिमी दक्षिणी उष्ण गर्म हवाओं से तापमान में उफान देखने को मिल रहा है। इन पश्चिमी दक्षिणी जिलों में कुछ स्थानों पर दिन के तापमान 43 डिग्री सैल्सियस को पार कर गया है। साथ ही साथ रात के तापमान में भी उछाल जारी है। सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम में झुलसाने वाली गर्मी के साथ हीट वेव यानि लू अपने तेवरों को प्रचंड बना रही है। हालांकि पश्चिमी मौसम प्रणाली से पश्चिमी दक्षिणी जिलों पर कहीं कहीं हल्की बादल वाही भी देखने को मिल रही है। मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि 20 अप्रैल तक हरियाणा के उत्तरी जिलों पर तेज गति से हवाएं चलने और हल्की बारिश/बूंदाबांदी, ओलावृष्टि की गतिविधियां देखने को मिलेगी जबकि शेष हरियाणा में तेज गति से हवा चलनेकी गतिविधियों के साथ आंशिक बादल वाही देखने को मिलेगी।

हालांकि पश्चिमी दक्षिणी हिस्सों में केवल हल्की तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। 26 अप्रैल के बाद एक बार हरियाणा में तापमान में उछाल और हीट वेव का तीसरा दौर देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त डायरी

पंजाब में 13 आतंकी गिर तार, राॅकेट से चलने वाले ग्रेनेड, आईईडी और आरडीए स मिले

जालंधर बेंगलुरु/ भव्य खबर। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढऔर बबर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े 13 आतंकी गिर तार किए हैं। इसमें 1 नाबालिग है। 4 दिन से चल रहे पंजाब पुलिस के ऑपरेशन में दो आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया गया है। पुलिस का दावा है कि इनके निशाने पर थाने-प्रमुख लोग थे। पकड़े गए आतंकियों से 2 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड 1 ग्रेनेड लांचर, ढाई-ढाई किलो की दो इंप्रोवाइस्ड ए सप्लोसिव डिवाइस, डेटोनेटर, 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल और 2 किलो रॉयल डिमॉलिशन ए सप्लोसिव, 5 पिस्तौल (बेरेटा और ग्लॉक), 6 मैगजीन, 44 कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन मिले हैं। शनिवार को डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये लोग आईएसआई के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। गिर तार आतंकियों ने कई थानों को भी टारगेट करना था। जल्द सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में बबर खालसा इंटरनेशनल द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

प्यार में बच्चे बन रहे थे रोड़ा, दही-चावल में मिलाकर खिला दिया जहर-तीनों बच्चों की मौत, महिला प्रेमी से करना चाहती थी शादी

हैदराबाद/ भव्य खबर। तेलंगाना में एक महिला ने अपने प्रेमी के लिए अपने तीन बच्चों को दही चावल में जहर मिलाकर खिला दिया और किसी को शक न हो इसलिए खुद भी थोड़ा सा जहर खा लिया। बाद में बच्चों के साथ उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी जान तो बच गई लेकिन तीन बच्चे मौत की आगोश में सो गए। पुलिस के मुताबिक संगारेड्डी में पिछले महीने हुई इस घटना की जांच चल रही थी। आरोपी महिला रजिता एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी, जिस रात रजिता ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाए उस रात उसका पति घर पर नहीं था। तीनों बच्चों और मां पर जहर का असर देख पुलिस का शक पति पर गया। योंकि परिवार में वही अकेला बचा था लेकिन पूछताछ के दौरान पुलिस को उससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं लगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजिता ने तीनों बच्चों की हत्या की योजना बड़ी ही चालाकी और समझदारी से बनाई। पुलिस ने बताया कि स्कूल रियूनियन के दौरान रजिता अपने एक पूर्व लासमेट से मिली..जहां से दोनों की मुलाकात और बातचीत शुरू हो गई और फिर धीरे-धीरे अफेयर हो गया। रजिता अपनी शादी से खुश नहीं थी और वह अपने प्रेमी के साथ एक नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी लेकिन उसके बच्चे इसमें सबसे बड़ी समस्या थे..उसे लग रहा था कि बच्चों के साथ वह घर छोड़कर नहीं जा सकती है।

कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा के बेटे पर हुआ जानलेवा हमला

बेंगलुरु/ भव्य खबर। कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात को जानलेवा हमला हो गया। यह हमला बेंगलुरु के पास बिददी इलाके में हुआ है। पुलिस ने जानकारी दी कि हमला तब हुआ जबकि रिकी अपनी कार से ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहा था। इसी बीच उनके घर से महज 200 मीटर की दूरी पर रात करीब 1:30 बजे एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करा दिया गया है। डॉ टरों का कहना है कि दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो रिकी हाल ही में रूस की विदेश यात्रा करके लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझाने में लगे हुए थे। ऐसे में रिकी पर हुए हमले की एक वजह रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद बताया जा रहा है। हमले के पीछे रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जाहिर किया है। यहां बताते चलें कि अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के एक पुराने दुश्मन पर भी शक की सुई है, जिसकी जांच की जा रही है। रिकी पर हुए जानलेबा हमले के बाद बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्स ए ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हमले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

भारत की आपत्ति के बाद रद्द हुआ श्रीलंका और पाकिस्तान सैन्य अयास

नई दिल्ली/ भव्य खबर। श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट के निकट होने वाला सैन्य अयास रद्द हो गया है। भारत की आपाि के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान का यह प्रस्तावित अयास फिलहाल रोक दिया गया है।यह वही त्रिंकोमाली है जहां भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मिलकर एक ऊर्जा हब विकसित कर रहे हैं। भारत ने इस अयास को लेकर अपनी चिंताओं को श्रीलंका सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया, जिसके बाद इस योजना को रद्द कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह नौसैनिक अयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से कुछ सप्ताह पहले प्रस्तावित किया गया था। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार एक रक्षा सहयोग समझौता हुआ, साथ ही यूएई के साथ त्रिपक्षीय ऊर्जा परियोजना को लेकर भी एक समझौता हुआ जिसमें मल्टी-प्रोड ट पाइपलाइन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तेल टैंक फार्म का विकास शामिल है। भारतीय अधिकारियों को जैसे ही इस संयुक्त अयास की जानकारी मिली, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई प्रशासन से संपर्क किया और इस पर गहरी चिंता जताई। भारत ने साफ कहा कि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण रणनीतिक हित हैं और इस तरह के अयास भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अयास पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर भारत को उकसाने की कोशिश के रूप में देखा गया। इसके बाद श्रीलंकाई प्रशासन ने चुपचाप इस अयास को रद्द कर दिया, हालांकि पाकिस्तानी पक्ष ने इसका विरोध किया था

बीजेपी अध्यक्ष की रेस में मोदी के तीन मंत्री, खट्टर को मिल सकती है कमान?

–संगठन में काम करने वाले कुछ लोगों की कैबिनेट में भी हो सकती है एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। जल्द हो सकता है बीजेपी के नए अध्यक्ष का ऐलान। चर्चा है कि अप्रैल के आखिर तक जेपी नड्डा के विकल्प के तौर पर नए नेता के नाम की घोषणा हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम भी अध्यक्ष पद की दौड़ में है। इसके अलावा मोदी सरकार में ही मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नामों की भी चर्चा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इन तीन नेताओं में से किसी एक को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

अध्यक्ष पर फैसला लेने से पहले आरएसएस की सलाह भी ली जाएगी। वहीं उससे पहले यूपी, बंगाल, आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में अध्यक्ष का फैसला भी लिया जाएगा। तभी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीजेपी 25 अप्रैल तक यूपी समेत कई राज्यों में अध्यक्षों का ऐलान कर सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया जाएगा।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि मनोहर लाल खट्टर को लेकर सहमति बनने की संभावना ज्यादा है। इसकी वजह है कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के करीबी हैं और उनकी पहली पसंद भी हैं। लंबे समय तक आरएसएस प्रचारक के तौर पर काम करने वाले मनोहर लाल खट्टर को संगठन की अच्छी समझ है। इसके अलावा आरएसएस भी उनके नाम पर सहमति दे सकता है, जो मानता है उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता के हाथ में ही पार्टी की कमान होनी चाहिए।

इसके अलावा धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव के नाम पर की भी चर्चा है। हालांकि मनोहर लाल खट्टर सबसे आगे माने जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और मनोहर लाल खट्टर के दशकों पुराने रिश्ते हैं। यही नहीं बीजेपी में महासचिव के तौर पर भी राज्यों से कई नेताओं को शामिल किया जा सकता है। ये वे नेता होंगे, जो पूर्व मंत्री या सीएम जैसे पदों पर रह चुके हैं, लेकिन इन दिनों उनके पास कोई बड़ा दायित्व नहीं है। वहीं अभी संगठन में काम करने वाले कुछ लोगों को कैबिनेट में भी एंट्री दी जा सकती है। एनडीए सरकार में सहयोगी दलों की डिमांड है कि कैबिनेट का विस्तार किया जाए और उनके नेताओं को एंट्री मिले। इस बीच बिहार में चुनाव होना है और उससे पहले उपेंद्र कुशवाहा को मंत्री पद दिया जा सकता है। वहीं एकनाथ शिंदे की पार्टी को भी मौका मिल सकता है, जो डिप्टी सीएम तो हैं, लेकिन बीच-बीच में उनकी नाराजगी की खबरें आती रहती हैं। चर्चाएं यह भी हैं कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने के मौके पर भी कैबिनेट विस्तार हो सकता है।

2008 मालेगांव विस्फोट मामले की सुनवाई पूरी, एनआईए अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। विशेष एनआईए अदालत ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील शहर मालेगांव विस्फोट मामले में करीब 17 साल बाद सुनवाई पूरी होने के बाद शनिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। 29 सितंबर, 2008 को मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण के फटने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। अभियोजन पक्ष ने शनिवार को मामले की सुनवाई के अंत में कुछ उद्धरणों के साथ अपनी अंतिम लिखित दलीलें दाखिल कीं, जिसके बाद विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने मामले को फैसले के लिए 8 मई तक के लिए स्थगित कर दिया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 अभियोजन गवाहों से पूछताछ की, जिनमें से 34 अपने बयान से पलट गए। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, भाजपा नेता प्रज्ञा ठाकुर- मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मुकदमा चल रहा है। 2011 में एनआईए को सौंपे जाने से पहले मामले की जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी। एनआईए ने मामले को अपने हाथ में लेने के बाद 2016 में ठाकुर और तीन अन्य आरोपियों- श्याम साहू, प्रवीण टकलकी और शिवनारायण कलसांगरा को क्लीन चिट देते हुए आरोपपत्र दाखिल किया था। एनआईए ने कहा था कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है और उन्हें मामले से बरी किया जाना चाहिए। हालांकि, एनआईए अदालत ने साहू, कलसांगरा और टकलकी को बरी कर दिया और फैसला सुनाया कि साध्वी को मुकदमे का सामना करना पड़ेगा।

देहरादून में गहरा रहा जल संकट, बिना मीटर कनेक्शन वाले कर रहे पानी का दुरुपयोग

देहरादून (एजेंसी)। जल संस्थान विभाग सुचारु पेयजल सप्लाई देने का दावा करता है, लेकिन रोज हजारों लोग पानी के संकट से जूझ रहे हैं। भीषण गर्मी में यह समस्या और भी बढ़ जाती है। शहर में 1.70 लाख से ज्यादा पेयजल कनेक्शन बिना मीटर के हैं। ऐसे में पानी का दुरुपयोग हो रहा है। लोग पीने-नहाने से ज्यादा पेयजल का दुरुपयोग धुलाई-सिंचाई आदि कार्यों में कर रहे हैं। जल संस्थान विभाग की पांच शाखाओं के जरिए से शहर के 1.90 लाख घर और प्रतिष्ठान में पेयजल सप्लाई होती है। प्रति व्यक्ति को जल संस्थान हर दिन 135 लीटर पानी देने का दावा करता है। इस हिसाब से जल संस्थान सभी उपभोक्ताओं की पूर्ति के लिए रोजाना 25.43 करोड़ लीटर पेयजल की सप्लाई करता है।

इसमें से 20.71 करोड़ लीटर का जल संस्थान को राजस्व मिलता है। जबकि 4.72 करोड़ लीटर पेयजल का कोई हिसाब नहीं है। यह पानी क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों, लीकेज और दुरुपयोग के कारण बर्बाद हो रहा है, जबकि पेयजल कनेक्शनों में मीटर लगाकर काफी हद तक पानी के दुरुपयोग को रोका जा सकता है, लेकिन हालात यह हैं कि नत्थनपुर स्थित एफआइयू शाखा के 12 हजार कनेक्शन को छोड़कर अधिकांश शाखाओं के कनेक्शन बिना मीटर के हैं। मीटर लगे कनेक्शन में उपभोक्ताओं को बूंद-बूंद की कीमत चुकानी पड़ती है। इससे उपभोक्ता पेयजल का दुरुपयोग करने से बचते हैं। पानी की खपत कम होने से ट्यूबवेल कम चलता है और बिजली की खपत में अंकुश लगता है। आमतौर पर मैनुअल कनेक्शन में दो महीने का बिल 750 रुपए आता है। जबकि मीटर वाले कनेक्शन में दो महीने में 40 हजार लीटर पानी का इस्तेमाल करने पर 430 रुपए बिल आता है। वहीं, 40 हजार लीटर से ज्यादा पानी का इस्तेमाल करने पर 14.40 रुपए प्रति हजार लीटर के हिसाब से कीमत चुकानी पड़ती है। अगर सामान्य पेयजल का इस्तेमाल देखा जाए तो मीटर वाले कनेक्शन में उपभोक्ताओं को फायदा है। जल संस्थान विभाग नया पानी का कनेक्शन देने के लिए सामान्य वर्ग से चार हजार रुपए शुल्क वसूलता है। गरीबी रेखा से नीचे और पिछड़ा वर्ग के लोगों से सिर्फ 100 रुपए शुल्क लिया जाता है, लेकिन इसके बावजूद उपभोक्ताओं के कनेक्शन में मीटर नहीं लगाया जा रहा है। जल संस्थान ने हाल में पित्थूवाला शाखा के अंतर्गत इंदिरानगर क्षेत्र में 4,500 कनेक्शन में मीटर लगाने का कार्य शुरू किया। दक्षिण शाखा के पलटन बाजार और खुड़बुड़ा क्षेत्र में करीब तीन हजार मीटर लग चुके हैं, लेकिन यह अभी शुरू नहीं हुए हैं।

मेरे जीवनकाल में ही लागू हो महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण

– सुप्रीम कोर्ट की जज बीवी नागरत्ना ने एक कार्यक्रम में जताई इच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की जज बीवी नागरत्ना ने लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को जल्द लागू करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम उनके जीवनकाल में ही साकार हो और यह दिन भारत के संविधान निर्माताओं द्वारा देखे गए वास्तविक समानता के सपने पूरे होने का प्रतीक बनेगा।

जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने जा रही हैं। वह एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। मुझे उम्मीद है कि यह कानून हमारे

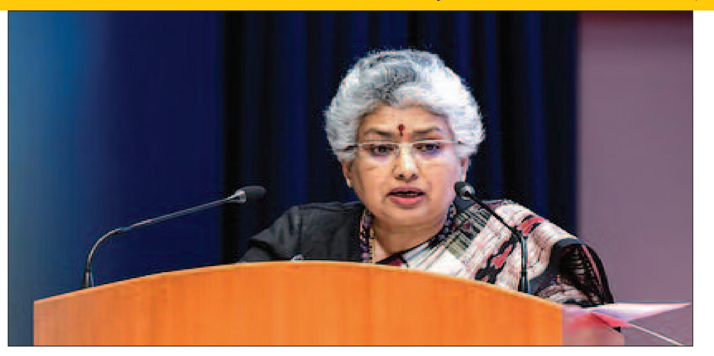

जीवनकाल में लागू होगा। यह दिन महिलाओं द्वारा सदियों से चली आ रही समानता की लड़ाई की परिणति होगा।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि महिलाएं सार्वजनिक जीवन और जिम्मेदारियों में अपनी उचित हिस्सेदारी की हकदार हैं। उन्होंने कहा कि वह पुरुषों की जगह नहीं ले रही हैं, बल्कि उस अधिकार क्षेत्र को वापस ले रही हैं, जिसे पितृसत्तात्मक सोच और भेदभाव ने उनसे छीन लिया था। हम पुरुष विरोधी नहीं हैं, हम महिला समर्थक हैं। उन्होंने हाल ही में कानून आयोग के अध्यक्ष नियुक्त हुए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज डी एन महेश्वरी से अपील की कि वे महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करने वाले सभी कानूनों का अध्ययन करें और केंद्र सरकार को ऐसे सभी कानूनों को संशोधित करने के लिए सिफारिशें भेजें।

उन्होंने यह भी कहा कि संविधान में समानता का अधिकार केवल कागजों पर नहीं, बल्कि व्यवहारिक रूप में भी दिखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब समय आ गया है कि देश की आधी आबादी को समान अवसर और प्रतिनिधित्व मिले।

मिथुन चक्रवर्ती ने फिर की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग, शत्रुघ्न सिन्हा ने दिया ये जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान कम से कम दो महीने के लिए राज्य में सेना तैनात की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार अनुरोध किया है और मैं अभी भी गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं। कम से कम चुनाव के दौरान दो महीने के लिए सेना को तैनात करें। अगर उन्हें तैनात किया जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव हो सकेंगे। चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की भी आलोचना की और कहा कि जब भी कोई दंगा या उपद्रव होता है, तो वे बस एक कुर्सी लेकर आते हैं, बैठ जाते हैं और देखते हैं जैसे कि यह कोई तमाशा हो। और एक बार जब यह खत्म हो जाता है, तो वे अपनी कुर्सियाँ समेट कर घर चले जाते हैं। यही उनका काम है। आँखें बंद करके, सब कुछ अनदेखा करके। मिथुन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर वो मैडम (ममता बनर्जी) वाकई चाहतीं तो एक दिन में सब कुछ बंद हो सकता था। उन्होंने कहा कि एक दिन और सब खत्म हो जाता। लेकिन अभी तक उन्होंने कुछ भी नहीं कहा है। वैसे, वो अलग बात है। बंगाल में अभी सनातनी लोग, ईसाई, सिख- हमारे सभी

भाई- वे इस पार्टी को वोट नहीं देने वाले हैं। उनका समय अब खत्म हो चुका है, इसलिए आपको उनके वोट बैंक को खुश रखना है। इसलिए चाहे कुछ भी गलत हो जाए, उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि वक्फ संशोधन अधिनियम सिर्फ एक बहाना है और इसे कवर के तौर पर इस्तेमाल किया गया है, जबकि असली एजेंडा कुछ और है।

क्या उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ आएंगे ?

– राज ठाकरे ने परोक्ष रूप से उद्धव ठाकरे को युति का प्रस्ताव दिया

– अब उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया पर सबकी निगाहें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले एक दशक से यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ आएंगे ? पिछले दो-तीन वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद कई लोगों ने ठाकरे बंधुओं के एक साथ आने की इच्छा व्यक्त की है। अब ऐसा लगता है कि राज ठाकरे ने अब इस युति की सराहना की है। महेश मांजरेकर के वीडियो पॉडकास्ट वास्तव में सच में राज ठाकरे ने परोक्ष रूप से उद्धव ठाकरे को युति का प्रस्ताव दिया। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण बात ये कही कि महाराष्ट्र हमारे विवाद से बड़ा है। यानि राज ठाकरे ने शिवसेना को एक तरह का प्रस्ताव देते हुए कहा है कि विवाद और संघर्ष महाराष्ट्र के अस्तित्व से बहुत छोटे हैं। राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र के अस्तित्व के लिए साथ आने में कुछ भी गलत नहीं है। हमारी बहस और झगड़े छोटे होते हैं। राज ठाकरे ने एक साक्षात्कार में कहा कि महाराष्ट्र बहुत बड़ा है और इसके लिए एक साथ आने में कोई समस्या नहीं है। जब महेश मांजरेकर ने राज ठाकरे से ये सवाल पूछा कि शिवसेना अलग हो या नहीं, क्या आप फिर भी एक साथ आ सकते हैं? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राज ठाकरे ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। राज ठाकरे ने कहा, मुद्दा सिर्फ़ इच्छा का है. यह मेरे स्वार्थ का मामला नहीं है. हमारे विवाद किसी भी कारण से छोटे हैं, महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। यह महाराष्ट्र के अस्तित्व के लिए है। मराठी लोगों के अस्तित्व के लिए बाकी सब कुछ महत्वहीन है। हमें बड़ी तस्वीर देखने की ज़रूरत है, मुझे नहीं लगता कि एक साथ आना और साथ रहना बहुत मुश्किल है। यह मेरी इच्छा और स्वार्थ का सवाल नहीं है। बहरहाल अब राज के बयान के बाद उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया पर सबकी निगाहें टिकी हैं। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे को युति का प्रस्ताव भेजा है।

गुजरात में विहिप और बजरंग दल ने प्रदर्शन कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

अहमदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हिंसक हमलों की घटनाओं को लेकर विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और बजरंग ने आज गुजरात के कई शहरों में प्रदर्शन किया। साथ ही दोनों हिन्दू संगठनों ने पश्चिम बंगाल में तुरंत राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार और वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के विरोध में भड़की हिंसा को लेकर पूरे गुजरातभर में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ विरोध की लहर चल रही है। विहिप और बजरंग दल सहित हिंदू संगठनों ने गुजरात के सूरत और अहमदाबाद शहरों में रैलियां और धरने आयोजित किए हैं और ममता सरकार पर हिंदू विरोधी नीतियों और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की भी मांग की गई है। अहमदाबाद में विश्व हिंदू परिषद ने ममता बनर्जी के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। हिंदू विरोधी ममता सरकार जैसे नारों के साथ विहिप कार्यकर्ताओं ने शहर में रैलियां निकालीं और बंगाल में हिंदुओं की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वक्फ कानून के विरोध के नाम पर बंगाल में हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है। यह दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में 500 से अधिक हिंदुओं के घर ध्वस्त कर दिए गए। विहिप ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की ताकि हिंदुओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित हो सके। दक्षिण गुजरात के सूरत में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख इलाकों में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और उनके घरों पर हमलों का हवाला देते हुए ममता बनर्जी की नीतियों को हिंदू विरोधी बताया। सूरत कलेक्टर को एक ज्ञापन देते हुए हिन्दू संगठनों ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर विधर्मियों द्वारा हमले किए जा रहे हैं और कई हिंदू परिवारों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ज्ञापन में बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती और कानून व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की गई।

हेडली है 26/11 हमले का मास्टरमाइंड एनआईए के सामने तहव्वुर राणा का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआईए की हिरासत में तहव्वुर राणा ने 26/11 मुंबई हमलों में अपनी भूमिका से इनकार किया है। उसने हेडली को मास्टरमाइंड बताया है। राणा अपने परिवार से बात करना चाहता है और खानपान को लेकर परेशान है। वो पूछताछ में पूरा सहयोग भी नहीं कर रहा है। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने एनआईए की कस्टडी में बड़ा खुलासा किया है। सूत्रों का कहना है कि तहव्वुर राणा 26/11 के हमले में खुद की भूमिका से इनकार कर रहा है। उसने हेडली को हमले का मास्टरमाइंड बताया है। उसने जांच एजेंसी से कहा है कि हमले में उसकी कोई भूमिका नहीं है। हेडली जिम्मेदार है। सूत्रों ने ये भी बताया कि तहव्वुर राणा को अपने परिवार की चिंता सता रही है। वो परिवार से बातचीत करना चाहता है। उसनेभाई से बात करने के बारे में जांच एजेंसी से प्रक्रिया पूछ रहा है। एनआईए की हिरासत में राणा पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। वो नॉनवेज खाना चाहता है लेकिन उसे नियमों के आधार पर ही खाना दिया जा रहा है। तहव्वुर राणा का स्वास्थ्य फिलहाल ठीक है। उसका समय पर मेडिकल हो रहा है। जांच एजेंसी तहव्वुर राणा को 26/11 हमले में मिले सबूतों को दिखाकर पूछताछ रही है। सूत्रों का ये भी कहना है कि तहव्वुर राणा, जिसे सेंट्रलाइज्ड एसी बिल्डिंग में रखा गया है, वो दिल्ली की गर्मी से परेशान है। राणा का कहना है कि यहां बहुत ज्यादा गर्मी है। वो कनाडा में रहने वाले अपने छोटे भाई से बात करना चाहता है। राणा पूछताछ के दौरान अधिकारियों से भारत की न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिशें कर रहा है। वो अपने खिलाफ लगे सेक्शन में कानून की धाराओं के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को मुंबई हमले में तहव्वुर राणा और पाकिस्तान के कनेक्शन पर बड़ा बयान आया था। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, पाकिस्तान लाख कोशिशें कर ले लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी पहचान बनी ही रहेगी। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी है कि उसे मुंबई हमलों के अन्य अपराधियों को कटघरे में लाना होगा।

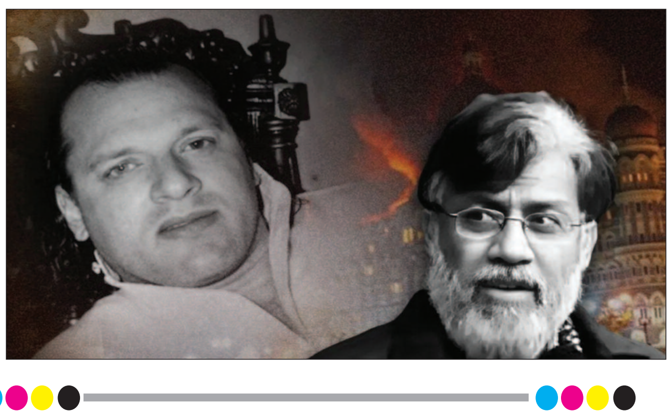

हजारों ख्वाहिशें ऐसी के 20 साल पूरे

सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के बुधवार को रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था। सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया। उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया। भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है। चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है।

पीरियड्स के बारे में अभी भी शर्म और संकोच के साथ की जाती है बात: सामंथा

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात की। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि पीरियड्स के बारे में बातचीत अभी भी शर्म, फुसफुसाहट और संकोच के साथ की जाती है। सामंथा ने बताया, हम महिलाओं ने बहुत तरक्की कर ली है, बहुत आगे आ गए हैं। फिर भी पीरियड्स के बारे में बात करने की बारी आती है तो अभी भी चुप्पी, फुसफुसाहट और शर्म, संकोच के साथ बात की जाती है। अभिनेत्री ने अपने पॉडकास्ट टेक20 के एक एपिसोड में न्यूट्रिशनिस्ट राशि चौधरी से पीरियड्स, साइकिल सिंकिंग, एंडोमेट्रियोसिस और महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर बात की। उन्होंने बताया, राशि चौधरी से बात करके मुझे याद पता चला कि इन पुरानी धारणाओं को तोड़ना कितना महत्वपूर्ण है। हमारे साइकल मजबूत हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जीवन को पुष्ट करते हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जिस पर शर्मिंदा होना चाहिए या छिपाना चाहिए या, उस मामले को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पॉडकास्ट के एक एपिसोड में सामंथा ने अपने शरीर, अपने रिश्ते, एंडोमेट्रियोसिस जैसी दुर्बल करने वाली बीमारी और एक महिला होने के नाते आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। पॉडकास्ट में सामंथा ने कहा, पीरियड्स साइकल हमारे मन और शरीर को कैसे प्रभावित करता है, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें हर गुजरते साल के साथ लगातार सीखते रहना चाहिए। राशि, अपने अनुभव और अपने ज्ञान की गहराई के साथ चीजों को समझाने का एक बहुत ही स्पष्ट तरीका रखती हैं और मुझे खुशी है कि हम साथ मिलकर इस तरह की अच्छी बातचीत कर पाए जो सही मायने में समझने के लिए जरूरी है। फिल्मों की बात करें तो, सामंथा अपकमिंग फिल्म शुभम के साथ निर्माता की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। सामंथा ने 7 अप्रैल को अपने पहले प्रोडक्शन का टीजर शेयर किया था। उन्होंने लिखा, हमारे प्यार से किया गया छोटा सा काम आपके सामने पेश है। बड़े सपनों वाली एक छोटी सी टीम! हमने इस यात्रा और साथ मिलकर जो कुछ भी बनाया है, उसके लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हम आशा करते हैं कि आपको हमारी फिल्म पसंद आएगी।

दिल खोलकर की कंटेंट की तारीफ

अर्जुन कपूर हैं TVF के जबरदस्त फैन

आज के दौर के सबसे पसंदीदा कंटेंट बनाने वालों में से एक है। उन्होंने अपने मज़ेदार और दिल से जुड़े शो के ज़रिए लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। ञ्ड्क्स्न वो नाम है जो ऑडियंस की सोच और पसंद को बखूबी समझता है, और शायद यही वजह है कि उनके शो आज की पीढ़ी के पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बन चुके हैं। जहां एक तरफ ञ्ड्क्स्न और उनकी कहानी कहने की स्टाइल को चारों तरफ सराहा गया है, वहीं एक्टर अर्जुन कपूर भी टीवीएफ और उनके शोज़ की तारीफ करते नज़र आए। अर्जुन कपूर खुद TVF के बड़े फैन लगते हैं। हाल ही के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें TVF एस्पिरेंट्स बेहद पसंद है और वो शो के एक्टर्स से मिल भी चुके हैं। अर्जुन ने आगे कहा, वो लोग हर वक्त अपनी मार्केटिंग नहीं करते, शायद इसीलिए हमें ये एहसास नहीं होता कि उन्होंने इतने जबरदस्त शोज़ बनाए हैं। अर्जुन कपूर ने TVF पिचर्स के लिए भी अपनी पसंद जाहिर की। उन्होंने कहा कि ये लोग अपनी असली ज़िंदगी के तजुर्बों से कहानियाँ गढ़ते हैं, और शायद यही वजह है कि इनके शोज़ इतने एंटरटेनिंग होते हैं। अर्जुन ने ये भी कहा कि जब आपकी पहचान इतनी गहराई से जुड़ी हुई होती है, तो आपकी कहानी में एक अलग ही सच्चाई और असर दिखता है। ये वाकई में इस बात का सबूत है कि TVF किस तरह से आम लोगों के बीच अपनी मजबूत पकड़ बना चुका है। लगातार एक से बढ़कर एक हिट शो देने के बाद, TVF ने हाल ही में पंचायत, कोटा फैक्ट्री और गुल्लक जैसी अपनी सबसे पॉपुलर सीरीज की नई इंस्टॉलमेंट्स रिलीज़ कीं, जिन्हें दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। सिर्फ इतना ही नहीं, टीवीएफ ने कई अवॉर्ड शोज़ में भी धूम मचाई और कई बड़े अवार्ड्स अपने नाम किए, जिससे ये साफ हो गया कि इंडस्ट्री में उनकी पकड़ अब और भी मज़बूत हो चुकी है। IIFA डिजिटल अवॉर्ड्स 2025 में ञ्ड्क्स्न ने सभी बड़े अवॉर्ड्स पर कब्जा जमाते हुए जबरदस्त बाज़ी मारी। पंचायत सीज़न 3 को बेस्ट सीरीज़ का अवॉर्ड मिला, वहीं इसके डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा को बेस्ट डायरेक्टर का सम्मान मिला। लीड रोल में जितेंद्र कुमार को पंचायत सीज़न 3 के लिए बेस्ट परफॉर्मेंस (मेल) का अवॉर्ड मिला, जबकि फैसल मलिक को सपोर्टिंग रोल (मेल) के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा कोटा फैक्ट्री सीज़न 3 को बेस्ट स्टोरी (ओरिजिनल) इन अ सीरीज़ का अवॉर्ड मिला।

'नो एंट्री' के सीक्वल में हुई इस हसीना की एंट्री

वरुण धवन-दिलजीत भी आएंगे नजर

कई ऐसी यादगार फिल्में हैं जिनके अगले भाग का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। ऐसी ही एक फिल्म है नो एंट्री, जिसके सीक्वल का दर्शक काफी लंबे वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म बनने जा रही है और इसमें बॉलीवुड की इस दीवा की भी एंट्री हो गई है।

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शुमार 'नो एंट्री' का अब अगला भाग बनने की तैयारी में है। पिछले काफी वक्त से फैंस 'नो एंट्री' के सीक्वल का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब अंतत- ये होने जा रहा है। फिल्म को लेकर अब लगातार नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से एक और खबर सामने आ रही है कि 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड की इस खूबसूरत हसीना की भी एंट्री हो गई है।

कॉमेडी में तमन्ना की वापसी

'नो एंट्री 2' में अब इंडस्ट्री के बड़े सितारों की एंट्री हो रही है। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की भी एंट्री हो गई है। तमन्ना फिल्म में प्रमुख किरदार में नजर आ सकती हैं। इन रिपोर्ट्स की मानें तो यह तमन्ना की कॉमेडी में वापसी का प्रतीक है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

आदिति राव हैदरी के नाम की भी है चर्चा

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी चर्चाएं भी हैं कि फिल्म में तमन्ना के अलावा आदिति राव हैदरी भी एक और फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन तमन्ना और अदिति को लेकर मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूरी नई कास्ट की होगी एंट्री

'नो एंट्री 2' की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में होंगे। इस तिकड़ी को एक प्रॉपर कॉमेडी फिल्म में एकसाथ देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, लोगों को उम्मीद थी कि 'नो एंट्री 2' में साल 2005 में आई 'नो एंट्री' की ही असली कास्ट वापस आएगी। जिसमें सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म में नई कास्ट ही नजर आएगी।

क्या नवाजुद्दीन पकड़ पाएंगे 1500 किलो सोना या मिलेगी मौत की सजा?

नवाजुद्दीन की आगामी फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा के एक निडर कस्टम अधिकारी की दिलचस्प कहानी है। फैंस काफी समय से नवाज की फिल्म का इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर के साथ निर्माताओं ने इसके प्रीमियर की डेट की भी घोषणा की है।क्या है ट्रेलर में? निर्माताओं द्वारा जारी किए गए ट्रेलर में नवाजुद्दीन एक जिद्दी कस्टम ऑफिसर की भूमिका में नजर आए हैं, जो आजाद भारत में सोने की सबसे बड़ी स्मगलिंग का खुलासा करना चाहते हैं। इस रैकेट में बहुत शक्तिशाली लोग शामिल हैं। अंदर के लोगों की मिलीभगत के चलते वह खुद जाल में फंस जाते हैं। उनके ऊपर हत्या का आरोप लग जाता है। इस बीच उनका परिवार भी कठिनाइयों का सामना करता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं निजी जीवन की अफवाहें: एआर रहमान

म्यूजिक कंपोजर, सिंगर एआर रहमान, अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में व्यस्त हैं। इस बीच, उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बात की। इस दौरान, उन्होंने बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। इंटरव्यू में एआर रहमान ने वंडरमेंट टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि, संगीत के लिए मन की प्रसन्नता की आवश्यकता होती है, तो क्या आपके बारे में चलने वाली खबरें और अफवाहें आपको प्रभावित करती हैं? रहमान ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार इस स्थिति से गुजरता है। अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। परिस्थिति में फंसे होने की वजह से वे दुखी और प्रभावित होते हैं और उस स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उस स्थिति में भी उन्हें छैया छैया या हम्मा हम्मा जैसे गाने करने पड़ते हैं। गायक हो या कोई और उस स्थिति में आप एक अभिनेता की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं। रहमान से पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं। एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशन में हैं। इस अफवाह से व्यथित रहमान ने एक बयान जारी किया था

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूर: इमरान हाशमी

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की।

रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा, मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वाकई प्रशंसा करता हूं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय पसंद आया। कई युवा अभिनेता बेहतरीन काम कर रहे हैं और स्क्रीन पर नए नजरिए को ला रहे हैं। संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन-थ्रिलर में रणबीर ने रणविजय सिंह की भूमिका निभाई, जो अपने पिता की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहता है। जब उसके पिता की हत्या का प्रयास किया जाता है तो दुश्मनों से लड़ने के लिए वह आगे आता है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अभिनेता बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इमरान के लेटेस्ट प्रोजेक्ट ग्राउंड जीरो की बात करें तो, फिल्म में वह बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिन्होंने गाजी बाबा को मारने के लिए ऑपरेशन को लीड किया था। इस मिशन को पिछले 50 वर्षों में बीएसएफ के बेस्ट ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है। फिल्म ग्राउंड जीरो में दुबे की भूमिका को लेकर इमरान हाशमी ने बताया, जब कोई अभिनेता इस तरह की भूमिका निभाता है, तो हमेशा एक शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पहलू शामिल होता है। शारीरिक रूप से मुझे एक अनुशासित बॉडी लैंग्वेज अपनानी पड़ी। जब आप एक कमांडिंग ऑफिसर की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो व्यवहार महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे अपने शरीर पर भी काम करना पड़ा- वेट ट्रेनिंग, आहार में बदलाव, कैलोरी में वृद्धि- उनकी जनरेशन के बेस्ट स्टार भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से, मैंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की और उनके हाव भाव को समझने की कोशिश की, ताकि मैं ऑपरेशन के दौरान उनकी मानसिक स्थिति, उनके परिवार की स्थिति और इस तरह के हाई रिस्क वाले पेशे से होने वाले भावनात्मक तनाव को समझ सकूं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित। संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।